संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 288
पृष्ठ 8
बुधवार
08 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चोटी हो या जुड़ा हेयर स्टाइल...

विचार- उज्जैन से अयोध्या यात्रा: दिग्विजय...

खेल- अफगानिस्तान क्रिकेट को बड़ा झटका...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

पहले लोग उत्तर प्रदेश के लोगों से दूर जाते थे, आज गले मिलते हैं

सुल्तानपुर,संवाददाता सुल्तानपुर में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जिन लोगों का अतीत रामभक्तों के विरोध से जुड़ा रहा, वे अब आस्था की बात कर रहे हैं। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा मामले में कार्रवाई का भरोसा दिलाया और वक्फ से जुड़े मामलों पर भी विपक्ष से सवाल उठाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सुल्तानपुर में कहा, समाजवादी पार्टी के लोग कहते हैं कि अयोध्या में जो घटना घटित हुई उससे उनकी आस्था आहत हुई। आस्था उसकी आहत हुई होगी जिनके मन में सच में आस्था होगी। आप कब से राम भक्त हो गए? जिनका रामद्रोही जैसा आचरण रहा हो, जिन्होंने राम भक्तों पर लाठियां और गोलियां चलाई हो, जिन्होंने श्री राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न खड़ा किया हो, वे किस आस्था की बात करते हैं? बाबरी ढांचा, गुलामी का ढांचा जब हट रहा था तो

जो लोग घड़ियाली आंसू बहा रहे थे, जो मंदिरों के विकास में लगने वाले पैसे को कब्रिस्तान के बाउंड्री वॉल में खर्च करते थे। वे आज आस्था के बारे में बता रहे हैं। इनकी पीड़ा मंदिर के चढ़ावे चोरी से संबंधित नहीं है, इनकी पीड़ा इस बात की है कि प्रभु का इतना भव्य मंदिर का निर्माण कैसे लोगों के सहयोग से हुआ, यह इनकी पीड़ा है। इस मामले में सब पर कार्रवाई हो रही है लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन का वारा-न्यारा हुआ है, उसके खिलाफ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने कभी आवाज क्यों नहीं उठाई?

सीएम योगी ने कहा, आज मैं सुबह से आया हूं तभी बारिश प्रारंभ हुई। विनोद जी तो बुलाना नहीं रहे थे पर राजेश गौतम ने मुझे बार-बार बुलाया। उन्होंने पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा, पिछली सरकारें हर जिले में एक माफिया पालती थीं। हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य को समाजवादी और कांग्रेस ने बीमारू राज्य बना दिया था। पहले दुर्गा पूजा नहीं होने देते थे, रामनवमी के जुलूस नहीं हो पाते थे। लखनऊ और वाराणसी जाना कठिन था। सीएम ने प्रदेश में हुए बदलाव गिनाते हुए कहा, आज पूर्वांचल एक्सप्रेस जा रहा है। 45 मिनट में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी मतलब दुनिया से जुड़ जाना। आज सड़कें बन रही हैं, एयरपोर्ट बन रहे हैं। पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री में खर्च होता था, आज मंदिरों के सौंदर्यीकरण में खर्च हो रहा है। आज कच्चे घरों को पक्का कर रहे हैं। योगी ने कहा, अच्छे लोग चुनते हैं तो अच्छी सरकार बनती है। जब अच्छी सरकार बनती है तो तेजी के साथ प्रगति होती है।

और हर नागरिक का विकास होता है। आज उत्तर प्रदेश के नौजवानों के सामने पहचान का संकट नहीं है। पहले लोग उत्तर प्रदेश के लोगों से दूर जाते थे, आज गले मिलते हैं। आज उत्तर प्रदेश देश के विकसित राज्यों में गिना जा रहा है। व्यापारियों और बहन-बेटियों को सुरक्षा देना हो तो आज उत्तर प्रदेश सबसे आगे है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई का इंडोनेशिया की भुगतान प्रणाली के साथ एकीकरण होने जा रहा है

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और इंडोनेशिया ने अपनी समग्र रणनीतिक साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू करते हुए रक्षा, सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री क्षेत्र, प्रौद्योगिकी और कृषि आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के समझौते किये हैं। इंडोनेशिया की तीन दिन की यात्रा पर गए श्री मोदी ने मंगलवार को राजधानी जकार्ता में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि आज से भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2018 में बनी हमारी समग्र रणनीतिक साझेदारी आज एक नई उड़ान ले रही है।

उन्होंने कहा, "हम विकास, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी संस्कृति और शिक्षा हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं। मुझे विश्वास है, आज से भारत-इंडोनेशिया

साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू होगा।" प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ता विश्वास हमारी रक्षा, सुरक्षा और समुद्री क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आज रक्षा आदान-प्रदान आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनाई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आज हुए समझौतों से भारत की गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाएं अब इंडोनेशिया के नागरिकों को और सहजता से उपलब्ध होंगी। प्रधानमंत्री ने मौजूदा परिस्थितियों में प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों और इस्पात के क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए एक अहम समझौता किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की कंपनियों के बीच इस्पात और दुर्लभ मैग्नेट को लेकर साझेदारी की नई शुरुआत हो रही है। मोदी ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि अब भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई का इंडोनेशिया की भुगतान प्रणाली के साथ एकीकरण होने जा रहा है।

महायुति में जाने की अटकलों पर सुप्रिया सुले का तंज

मुंबई,एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को अपनी पार्टी के महायुति के साथ जाने की अटकलों पर तंज कसा। उन्होंने संकेत दिया कि इन चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। सुले पत्रकारों से बात कर रही थीं। इस दौरान मीडिया ने उनसे एनसीपी के शरद पवार गुट के महायुति के करीब जाने की अटकलों पर सवाल किया। इसमें खासतौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) नेता जयंत पाटिल के बीच कथित बातचीत का जिक्र किया गया। सुप्रिया सुले ने इस मुलाकात को ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह खास मुलाकात हुई थी या नहीं। लेकिन उन्होंने कहा कि वह और जयंत पाटिल अक्सर मिलते रहते हैं, क्योंकि दोनों एक ही समिति के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि सिर्फ पिछले एक महीने में ही उनकी और जयंत पाटिल की 21 बार मुलाकात हुई है।

नितिन नबीन ने कहा-

अनुच्छेद 370 हटने के बाद बदली जम्मू-कश्मीर की तस्वीर, अब पहचान है विकास और शांति

जम्मूएजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बड़ा बदलाव आया है। अब जम्मू-कश्मीर की पहचान संघर्ष के बजाय विकास, शांति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रूप में बन रही है। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नबीन ने कहा कि अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार के फैसलों ने क्षेत्र में बदलाव की नई शुरुआत की। पहले जम्मू-कश्मीर को दुनिया के सामने एक अलग छवि के साथ पेश किया जाता था, लेकिन अब यह भारत के अभिन्न हिस्से के रूप में विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार जम्मू-कश्मीर की पुरानी विरासत और संस्कृति को संरक्षित करने तथा उसे दुनिया के सामने लाने के लिए लगातार काम कर रही है। यहां के युवा और महिलाएं अब अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर नई पहचान बना रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है और इससे स्थानीय लोगों के जीवन में बदलाव आ रहा है। महिलाओं और युवाओं को मिले नए अवसरों से उनमें आत्मविश्वास और सम्मान की भावना बढ़ी है। भाजपा की जम्मू-कश्मीर में दोहरी जिम्मेदारी है। पार्टी एक ओर केंद्र में सरकार के माध्यम से क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर केंद्र शासित प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभाते हुए जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएगी। नितिन नबीन ने अपने जम्मू-कश्मीर दौरे को लेकर कहा कि यह उनके लिए गर्व की बात है कि वह भारतीय जनसंघ के संस्थापक नेताओं में शामिल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर यहां पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने पार्टी संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और जम्मू-कश्मीर भाजपा की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने भाजपा को जो समर्थन दिया है, उसके लिए पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ लोगों की सेवा करते रहेंगे।

वायनाड भूस्खलन में चार मौतें, प्रियंका ने की मदद की अपील

वायनाड,एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मंगलवार को वायनाड में हुए भूस्खलन की घटना को लेकर आपातकालीन बैठक की। इस बैठक में राज्य के कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी भी शामिल हुए, जो वायनाड से ही हैं। बैठक में अनाक्कम्पॉयिल-कल्लाडी सुरंग सड़क परियोजना के वायनाड छोर पर हुए भूस्खलन की स्थिति और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही इस भूस्खलन का भयावह वीडियो भी सामने आया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जाएं। उन्होंने राजस्व मंत्री ए.पी. अनिल कुमार और कृषि मंत्री टी. सिद्दीकी को तुरंत वायनाड पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान की निगरानी करने के लिए कहा। यह घटना मीनाक्षी पुल के पास कलाड़ी में हुई, जो सुरंग निर्माण स्थल के नजदीक है। निर्माण स्थल पर खोदी गई मिट्टी का बड़ा ढेर भूस्खलन के दौरान ढह गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। पिछले 24 घंटों में लगातार हुई भारी बारिश के बाद ढीली मिट्टी धंस गई और नीचे गिर गई, जिससे कार्यस्थल के कुछ हिस्से दब गए।

ई20 ईंधन पर सरकार बोल रही झूठ-अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 ईंधन को लेकर जनता में भारी विरोध है। इसके बावजूद केंद्र सरकार अपने रुख पर अड़ी हुई है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सरकार की इस जिद का कारण नहीं पता। सरकार अपनी बात से पीछे हटने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार एक के बाद एक झूठे दावे कर रही है। एक मंत्री कुछ कहता है, तो दूसरा मंत्री कुछ और। केजरीवाल के अनुसार, केंद्र सरकार लोगों को ई20 ईंधन स्वीकार करने और उपयोग करने के लिए राजी करने के लिए नई रणनीतियां अपना रही है। सरकार भ्रामक दावे कर रही है। 3 जुलाई को केंद्र सरकार ने छह वाहन निर्माताओं के प्रतिनिधियों को बुलाया था। सरकार ने इन कंपनियों से एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने को कहा। उन्हें जनता को यह बताना था कि ई20 ईंधन पूरी तरह से ठीक है। इन कंपनियों में मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर, हीरो मोटोकॉर्प, हुंडई मोटर, बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर कंपनी शामिल हैं।

राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र को दी जा रही प्राथमिकता : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन को समान प्राथमिकता दी जा रही है। श्रीमती गुप्ता ने पौधारोपण कार्यक्रम में मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। राजधानी में स्वच्छ परिवहन, व्यापक हरित क्षेत्र, आधुनिक आधारभूत संरचना और वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन को समान प्राथमिकता दी जा रही है। आज जिन परियोजनाओं का शुभारंभ एवं लोकार्पण हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि विकसित, स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर दिल्ली के भविष्य की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए श्एक पेड़ मां के नामश अभियान और मिशन लाइफ ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। दिल्ली सरकार उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से जुड़ा जन अभियान बना रही है।

नवीन की नसीहत का असर.. एक पिच पर उतरे योगी-मौर्य

प्रयागराज। गुटबाजी खत्म करें... मिलकर काम करें... फालतू बयानबाजी से खुद का नुकसान करेंगे...। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से शनिवार को लखनऊ में दी गईं कुछ इसी तरह की नसीहतों का असर सोमवार को प्रयागराज में देखने को मिला। यहां प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ न केवल मंच साझा किया, बल्कि उपस्थित लोगों से हाथ उठवाकर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2027 में तीसरी बार सरकार बनाने का संकल्प भी दिलवाया। प्रयागराज में उप मुख्यमंत्री की ललकार से यह संदेश पूरे प्रदेश में गया कि गुटबाजी सिर्फ सांसद–विधायकों को नहीं, बड़े नेताओं को भी छोड़नी पड़ेगी। प्रयागराज में महाकुंभ के बाद संभवतरू यह पहला ऐसा अवसर है जब मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंच साझा किया। दोनों कार्यक्रम स्थल पर साथ–साथ आए। प्रेरणा स्थल से मेला प्राधिकरण के सभागार में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में भी साथ ही गए।

मौर्य का संबोधन और निहितार्थ

उप मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में यूपी सहित पांच राज्यों में कमल खिलने की बात कहकर सुशासन का संदेश दिया। गुंडों को मिट्टी में मिलाने की बात कहकर योगी आदित्यनाथ की खुले दिल से तारीफ की। केशव ने तीन बार जय श्री राम और जय हनुमान का जयकारा लगाया। संबोधन में चार बार मुख्यमंत्री का नाम लिया। मंच पर पास में बैठे दोनों नेताओं की हंसी देखकर आपसी तालमेल पर चर्चा होती रही। इसी बीच केशव के संबोधन के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जाते रहे।

मऊआइमा के मोहम्मद अहसन बने साइंटिफिक ऑफिसर

प्रयागराज। मऊआइमा के मोहम्मद अहसन का चयन न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में साइंटिफिक ऑफिसर के पद पर हुआ है। आजमपुर निवासी अशरफ अली के पुत्र

मोहम्मद अहसन ने पहले गेट की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 325 हासिल की। इसके बाद इंटरव्यू के सभी चरण सफलतापूर्वक पार कर उन्होंने एनपीसीएल में साइंटिफिक ऑफिसर का पद प्राप्त किया। अहसन की सफलता पर भाई मोहम्मद रशीद ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। चेयरमैन शोएब अंसारी ने कहा कि अहसन की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा है। इस मौके पर सालिम अंसारी, स्वालेह अंसारी, मुख्तार अंसारी, सलीम अंसारी, मोहम्मद फरोग, नौशाद आलम आदि ने बधाई दी है।

विकास भी, विरासत भी के संकल्प से आत्मनिर्भर बन रहा यूपी : नंदी

प्रयागराज। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार विकास भी, विरासत भी के संकल्प के साथ आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्रद्धेय अशोक सिंघल जैसी महान विभूतियां देश की गौरवशाली विरासत हैं। उनकी स्मृतियों को संजोने के लिए स्थापित यह प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देगा। नंदी ने कहा कि एक समय कार्यकर्ता के रूप में वे नारा लगाते थे, जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है, सारे का सारा है। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने इस संकल्प को साकार कर कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, नए एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। कानून–व्यवस्था में सुधार और आधारभूत ढांचे के विस्तार के कारण देश–विदेश की बड़ी कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। नंदी ने कहा कि पहले अपराधियों और माफिया का प्रभाव शासन–प्रशासन पर दिखाई देता था लेकिन सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। जो माफिया कभी समानांतर सत्ता चलाने का दावा करते थे वे आज या तो समाप्त हो चुके हैं या कानून के शिकंजे में हैं। प्रदेश में अब अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को साथ लेकर चलने की सरकार की नीति ही उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बना रही है।

अब प्रयागराज में पंजीकृत मोबाइल नंबर से दिल्ली समेत नौ राज्यों में साइबर ठगी

प्रयागराज। यूट्यूब पर ई–कॉमर्स बिजनेस और टेलीग्राम से पार्ट टाइम जॉब (रेटिंग स्कैम) का झांसा देकर साइबर ठगी करने का मामला उजागर हुआ है। प्रयागराज में पंजीकृत मोबाइल नंबर से दिल्ली समेत नौ राज्यों में लोगों को ठगी का शिकार बनाया गया है। साइबर पुलिस ने जालसाजों के खिलाफ दो अलग–अलग एफआईआर दर्ज की है। गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के पोर्टल पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच के दौरान दोनों मामलों का खुलासा हुआ। साइबर थाने में तैनात उपनिरीक्षक बृजेश चौरसिया के मुताबिक, जांच के दौरान एक मोबाइल नंबर संदिग्ध मिला।

पता चला कि इस नंबर पर आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, और झारखंड से ठगी की कुल आठ शिकायतें दर्ज हैं। उक्त नंबर का रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि यूट्यूब पर अवधेश ई–कॉमर्स नाम से चौनल है। इस पर ई–कॉमर्स बिजनेस और अधिक कमाई के टिप्स से जुड़े वीडियो अपलोड किए गए हैं। वीडियो में दो मोबाइल नंबर भी साझा किए गए हैं। वीडियो बनाने वाला व्यक्ति अवधेश शुक्ला पैकिंग मैटेरियल उपलब्ध कराने, पार्सल सेवा और ई–कॉमर्स बिजनेस शुरू कराने के नाम पर लोगों से रुपये ट्रांसफर कराकर ठगी करता है।

पार्ट टाइम जॉब का झांसा, तीन राज्यों से मिली शिकायतें

उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव के अनुसार, एक मोबाइल नंबर की जांच में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पोर्टल पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल से तीन शिकायतें दर्ज मिलीं। जांच में उक्त नंबर कोरांव के बेलहट निवासी लाल साहब सिंह के नाम पर पंजीकृत है।

49 साल बाद भी न मिली राहत, 300 रुपये की ली थी घूस, लेखपाल की सजा बरकरार

प्रयागराज। 49 साल बाद भी रिश्वतखोर को राहत नहीं मिली है। 300 रुपये की रिश्वत लेने वाले लेखपाल की इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सजा बरकरार रखी है। 1977 में विजिलेंस ने आरोपी को पकड़ा था। चार सप्ताह में सरेंडर कर शेष सजा काटने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 49 साल पुराने रिश्वत के मामले में लेखपाल की एक साल के कठोर कारावास की सजा बरकरार रखी। कोर्ट ने 41 साल पुरानी आपराधिक अपील खारिज कर दोषी को चार सप्ताह में संबंधित ट्रायल कोर्ट में सरेंडर कर बची सजा काटने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकल पीठ ने महेश चंद की याचिका पर दिया। अभियोजन के अनुसार कानपुर की एक तहसील में तैनात लेखपाल महेश चंद ने भूमि विवाद में एक पक्षकार से दूसरे की अपील खारिज कराने के नाम पर 400 रुपये रिश्वत मांगी थी। शिकायत के बाद विजिलेंस ने फिनॉल्फथेलीन पाउडर लगे 100–100 रुपये के तीन नोट शिकायतकर्ता को दिए।

होटल में जैसे ही महेश चंद ने 300 रुपये लेकर उन्हें अपनी जेब में रखा, विजिलेंस टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। ट्रायल कोर्ट ने 1985 में महेश चंद को दोषी ठहराते हुए एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की, जो चार दशक से अधिक समय तक लंबित रही।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि शिकायतकर्ता की गवाही अदालत में नहीं कराई गई। इसलिए अभियोजन का मामला संदेहास्पद है। सार्वजनिक स्थान पर रिश्वत लेना स्वाभाविक नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि यदि ट्रैप की कार्रवाई विजिलेंस अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहों की विश्वसनीय गवाही से पूरी तरह सिद्ध हो जाती है तो केवल शिकायतकर्ता के गवाही न देने से पूरा मामला कमजोर नहीं हो जाता।

ट्रैप की कार्रवाई गोपनीय तरीके से की जाती है। इसलिए सार्वजनिक स्थान पर आरोपी का पकड़ा जाना अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी। आरोपी की जमानत और निजी मुचलका निरस्त कर सरेंडर का आदेश दिया है।

विधायक विनय प्रकाश को राहत, चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर के रामकोला विधानसभा क्षेत्र से 2022 में निर्वाचित विधायक विनय प्रकाश गोंड को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की एकल पीठ ने दिया है। राधा चरन ने विनय प्रकाश गोंड के विधायक चुने जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधायक ओबीसी वर्ग से संबंध रखते हैं, जबकि उन्होंने अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र प्राप्त कर रामकोला की सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ा।

याची ने दावा किया कि प्रमाणपत्र धोखाधड़ी से हासिल किया गया है। इसी आधार पर उनके निर्वाचन को निरस्त किया जाना चाहिए। विधायक की ओर से कहा गया कि उनका जाति प्रमाणपत्र सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी किया गया है। आज तक किसी सक्षम समिति ने उसे निरस्त नहीं किया है। प्रमाणपत्र की वैधता से संबंधित शिकायत जिला स्तरीय स्क्रूटनी समिति के समक्ष लंबित है। इसलिए जब तक समिति अंतिम निर्णय नहीं दे देती, तब तक प्रमाणपत्र वैध माना जाएगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि किसी उम्मीदवार के जाति प्रमाणपत्र की वैधता या उसकी सत्यता पर निर्णय देने का अधिकार चुनाव न्यायाधिकरण के पास नहीं है।

यह अधिकार केवल राज्य सरकार की ओर से गठित सक्षम जाति सत्यापन समितियों को प्राप्त है। इन्हीं तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका निराधार मानते हुए खारिज कर दी।

यूपी पुलिस व प्रयागराज के खिलाड़ियों का दबदबा

प्रयागराज। यमुना बैंक रोड स्थित बोट क्लब में दो दिवसीय राज्यस्तरीय 37वीं सीनियर महिला–पुरुष उत्तर प्रदेश कयाकिंग और कैनोइंग चौंपियनशिप में 100 खिलाड़ियों ने यमुना की लहरों पर दमखम दिखाया। अंतिम दिन सोमवार को 200 मीटर के–एक में कानपुर की सुप्रिया निषाद प्रथम, प्रतापगढ़ की भूमि सोनकर द्वितीय और प्रयागराज अल्पना साहनी तृतीय रहीं।

सी–एक में प्रयागराज के रितिका कुमारी ने पहला, फतेहपुर की चंचल निषाद दूसरा और कानपुर की अनुष्का तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 200 मीटर के–एक (पुरुष वर्ग) में यूपी पुलिस के अंकुर दुबे प्रथम, प्रयागराज के अखिल शर्मा द्वितीय और अलीगढ़ अंकित चौधरी तृतीय रहे। 200 मीटर के–दो पुरुष में यूपी पुलिस के महेंद्र सिंह और दीपांशु भारतीय प्रथम, प्रयागराज के कृतिक कुमार और उपदेश कुमार निषाद द्वितीय, कौशाम्बी के नीरज और विवेक तृतीय रहे। 200 मीटर सी–एक पुरुष में प्रयागराज के सुधांशु भारतीय प्रथम, यूपी पुलिस के पटेल और आदित्य पटेल तृतीय रहे। 200 मीटर सी–चार पुरुष में प्रयागराज के अंकित कुमार, सत्यम, भुवनेश्वर और अखिलेश प्रथम रहे। हर्ष नांदल, शिवम, अर्जुन कुमार और नितिन सिंह

प्रियांशु नागर द्वितीय और फतेहपुर के अर्जुन निषाद तृतीय रहे। 200 मीटर सी–दो पुरुष में यूपी पुलिस के प्रदीप और अभय प्रथम, प्रयागराज के अंकित कुमार और भुवनेश्वर द्वितीय और वाराणसी के हिमांशु दूसरे स्थान पर रहे। बिजनौर के तरुण कुमार, आदर्श कुमार, मोहम्मद ओवैस और हर्ष कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

उत्तर प्रदेश कयाकिंग–कैनोइंग अध्यक्ष और भारतीय कयाकिंग–कैनोइंग के उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, सचिव त्रिभुवन निषाद, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आशीष श्रीवास्तव, विकास दीक्षित, और नितिन चंद्रा ने सभी खिलाड़ियों से परिचय के प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झंडा दिखाकर एकता बोर्ड रैली का शुभारंभ किया। बोट क्लब से संगम तक हुई एकता बोर्ड रैली में 40 बोट पर 82 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद पूजा पाल ने पहली बार योगी के साथ मंच साझा किया

प्रयागराज। समारोह में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के बाद सपा विधायक पूजा पाल पहली बार मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया लेकिन उन्हें पहली लाइन में जगह नहीं मिल सकी। उधर, संबोधन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पूजा पाल का नाम ही लेना भूल ही गए। मंच पर बैठे किसी ने टोका तो उन्होंने भूल सुधारते हुए कहा कि हाल ही में प्रदेश की उपाध्यक्ष बनी पूजा पाल भी मौजूद हैं। इनका भी स्वागत करता हूं। मुख्यमंत्री के मंच पर 25 से अधिक लोग बैठे थे। पहली पंक्ति में संजय गुप्ता, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधायक पीयूष रंजन निषाद, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, मेयर गणेश केसरवानी, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, विधायक दीपक पटेल, भदोही सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद बैठे थे। संचालन डॉ. रंजना त्रिपाठी ने किया। वहीं, पीछे की लाइन में वाचस्पति विधायक, एमएलसी केपी श्रीवास्तव, पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, एमएलसी बाबूलाल तिवारी, संतोष पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल, डॉ. कीर्तिका अग्रवाल, एडवोकेट नीरज तिवारी पूर्व सांसद प्रत्याशी, पूर्व विधायक अशोक वाजपेयी, उदयभान करवरिया, रुद्रसेन जायसवाल, जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान और जिला अध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ला मंच पर विराजमान रहे।

रात में मरीज को पीटा, सुबह गेट के बाहर मिला शव

प्रयागराज। बेली अस्पताल में भर्ती मरीज मनोज (42) की सोमवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह रविवार रात तक अस्पताल में भर्ती थे। परिजनों का आरोप है कि रात में अस्पताल में कुछ लोगों ने उनकी पिटाई की। इसके बाद वह लापता हो गए। सोमवार सुबह अस्पताल के गेट के बाहर उनका शव मिला। लापरवाही पर संविदा कर्मी वार्ड बॉय पीयूष को निलंबित कर दिया गया है। मलाकराज निवासी काजू ने बताया कि भाई मनोज को पेट में दर्द था। शनिवार को बेली अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार देर रात वह कुछ देर के लिए बाहर गए, इसी बीच मनोज का कुछ लोगों से विवाद हो गया। आरोपियों ने उनकी पिटाई कर दी। इसके बाद मनोज लापता हो गए। रातभर उसकी तलाश की गई लेकिन जानकारी नहीं मिली। सोमवार सुबह अस्पताल के गेट के बाहर अचेतावस्था में पड़े मिले। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। काजू ने आरोप लगाया कि मनोज की पीट–पीटकर मारा गया है। साक्ष्य मिटाने के लिए शव को अस्पताल के बाहर फेंक दिया गया। उधर, सोमवार को पोस्टमार्टम में मनोज के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले।

मरीज की मौत के कारणों की पड़ताल की जा रही है। पता चला है कि मरीज को पहले डिस्चार्ज कर दिया गया था। उन्हें दोबारा भर्ती कराया गया। जांच पूरी होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। – विद्युत गोयल, एसीपी सिविल लाइंस

अस्पताल प्रशासन ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। लापरवाही पर संविदा कर्मी वार्ड बॉय को निलंबित कर दिया गया है। जांच की जा रही है। – डॉ. भावना शर्मा चिकित्सा अधीक्षक बेली अस्पताल

एसआरएन में पैथोलॉजी रिपोर्ट के लिए नहीं करना होगा इंतजार

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों को पैथोलॉजी से संबंधित जांच के लिए अब लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। ऐसे में जल्द रिपोर्ट मिलने के बाद मरीज का इलाज समय रहते शुरू हो सकेगा। गंभीर मरीजों को कम समय में पैथोलॉजी से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए ट्रॉमा सेंटर की पैथोलॉजी लैब में दो नई अत्याधुनिक बायोकेमिस्ट्री विश्लेषक मशीनें स्थापित की गई हैं। मशीनों से सीरम यूरिया, सीरम क्रिएटिनिन, सीरम बिलीरुबिन, एसजीपीटी, एसजीओटी, ब्लड शुगर और सीरम इलेक्ट्रोलाइट्स जैसी कई महत्वपूर्ण जांचें ट्रॉमा सेंटर में ही हो सकेंगी। प्राचार्य एके वर्मा ने कहा कि ट्रॉमा सेंटर को लगातार सशक्त किया जा रहा है। ट्रॉमा सेंटर में पहले से पैथोलॉजी सेवाएं उपलब्ध हैं। नई मशीनों से जांच व्यवस्था और मजबूत व आधुनिक होगी। इससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों को तत्काल लाभ मिलेगा।

संपर्क मार्ग की बदहाली से ग्रामीण नाराज

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के सराय रजानी, महपूरा, गौहानी और अतनपुर गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग की बदहाल स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को प्रदर्शन कर सड़क निर्माण की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब पांच वर्ष पहले ठेकेदार ने सड़क पर मिट्टी डालकर निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया था। इसके बाद आज तक सड़क का निर्माण पूरा नहीं कराया गया। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ और मिट्टी जमा होने से पैदल चलना और वाहनों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है। इससे स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गांव के रणजीत यादव की अगुवाई में ग्रामीणों ने सड़क पर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि यह संपर्क मार्ग क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस मार्ग से रोज करीब चार से पांच हजार लोगों की आवाजाही होती है। सड़क की जर्जर हालत के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन में रणजीत यादव, लालजी पाल, शेखर पटेल, संतोष पटेल, अशोक पाल आदि मौजूद रहे। एसडीएम अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देशित किया जाएगा और जांचकर संपर्क मार्ग को पक्का करने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देश जारी किया जाएगा।

बैंगन के गिरते भाव, लागत निकालना मुश्किल

प्रयागराज। बैंगन की खेती करने वाले किसान इन दिनों गिरते बाजार भाव से परेशान हैं। स्थानीय बाजारों और मंडियों में बैंगन मात्र 10 से 15 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। कहली कुशहरा

गांव के किसानों का कहना है कि इतनी कम कीमत मिलने से बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी पर आई लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। किसान रामप्रकाश पटेल ने बताया कि करीब दो माह पहले बैंगन 30 से 35 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था, जिससे अच्छी आमदनी हो रही थी। लेकिन इन दिनों कीमतों में भारी गिरावट आने से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। कृषि प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि बाजार में भाव कम मिल रहा है। उम्मीद है कि अच्छी बारिश होने के बाद अन्य सब्जियों की आवक कम होगी और बैंगन के दाम में बढ़ोतरी होगी।

संविदा कर्मी पर हमले के विरोध में कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, आपूर्ति बाधित

प्रयागराज। कस्बा स्थित पावर हाउस में संविदा बिजलीकर्मी पर हुए हमले के बाद बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया है। धरने पर बैठे कर्मचारियों का कहना है कि जब तक एफआईआर में नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक धरना जारी रहेगा और पावर सप्लाई भी बंद रहेगी। कर्मचारियों की मांग है कि ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। धरने में दीनानाथ, पवन तिवारी, पिंटू भारतीय, अजय कुमार, राहुल यादव, मनोज कुमार, अतुल कुमार, महेंद्र, अर्जुन, विनय, संदीप, अर्जुन यादव, उमेश, राधेश्याम, रोहित आदि रहे।

साल भर बाद भी बाढ़ में डूबी धान की फसलों की नहीं मिली क्षतिपूर्ति

प्रयागराज। किसानों को साल भर बाद भी बाढ़ में डूबी धान की फसलों की क्षतिपूर्ति नहीं मिली है। ऐसे में किसान तहसील का चक्कर लगाने के लिए मजबूर हैं। पिछले वर्ष जुलाई माह में बाढ़ से मेजा तहसील के मनूकापूरा, अमिलिया कला, गोसौरा खुर्द, बरहा के हजारों एकड़ धान की फसल बर्बाद हो गई थी। इससे किसानों का काफी नुकसान हुआ था। प्रशासन ने सर्वे भी कराया, लेकिन साल भर बाद भी किसानों को क्षतिपूर्ति नहीं मिल सकी। तहसील के रजिस्ट्रार कानूनगो (राहत) रमाशंकर शुक्ला ने बताया कि क्षतिपूर्ति के लिए जिला प्रशासन को पत्राचार किया गया है।

बाढ़ से दो बीघा धान की फसल नष्ट हो गई थी। क्षतिपूर्ति के लिए न तो बैंक अकाउंट लिया गया और न ही कोई दस्तावेज। सिर्फ आश्वासन मिलता रहा कि क्षतिपूर्ति जल्द ही मिल जाएगी। –दिलीप विश्वकर्मा, किसान

पिछले वर्ष बारिश से आई बाढ़ में छह बीघा धान की फसल चौपट हो गई थी, जिससे काफी नुकसान हुआ था। प्रशासन ने सर्वे भी कराया था, लेकिन क्षतिपूर्ति के नाम पर कुछ नहीं मिला। –प्रेमशंकर पटेल

राहत कोष से क्षतिपूर्ति न मिल पाने से दिक्कत हुई है। हालांकि, प्रयास किया जा रहा है कि पीड़ित किसानों को हर हालात में नष्ट हुई फसल की क्षतिपूर्ति मिले। –नीलम उपाध्याय, एसडीएम मेजा

संक्षिप्त

कृष्णा नगर पुलिस ने 60 वर्षीय महिला को ढूंढा,24 घंटे में फौजी बेटे के सुपुर्द किया

लखनऊ (संवाददाता)। कृष्णा नगर पुलिस ने एक फौजी की 60 वर्षीय लापता मां को 24 घंटे के भीतर ढूंढ निकाला है। महिला को सोमवार शाम थाना क्षेत्र के ईको गार्डन के पास से गुम होने के बाद मंगलवार सुबह सकुशल बरामद कर बेटे को सौंप दिया गया। आजाद नगर चौकी इंचार्ज गौरव सिंह ने बताया कि बिहार की मूल निवासी 60 वर्षीय किरण, भारतीय सेना में कार्यरत अपने बेटे गोविंद के साथ गीता पल्ली, कृष्णा नगर में रहती थीं। वह सोमवार शाम ईको गार्डन के पास से लापता हो गई थीं। पुलिस को सूचना मिलने के बाद सीसीटीवी फुटेज की मदद ली गई। मंगलवार सुबह महिला को थाना क्षेत्र स्थित अवध चौराहे के पास से सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद उन्हें उनके बेटे गोविंद के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी मां को सकुशल पाकर परिजनों ने लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस की सराहना की। पुलिस के अनुसार, लापता महिला के बेटे ने बताया कि वह अपनी मां का इलाज कराने के लिए उन्हें अपने गृह जनपद से लखनऊ लेकर आया था।

डॉ. राजेश्वर सिंह के मार्गदर्शन में गांधीग्राम माती सपेरा बस्ती में विकास कार्यों का निरीक्षण

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र की गांधीग्राम माती सपेरा बस्ती में मंगलवार को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के मार्गदर्शन में टीम राजेश्वर ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद कर मूलभूत समस्याओं का आकलन किया गया और आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया गया। निरीक्षण में सामने आया कि बस्ती में लगभग 150 मीटर लंबी चार आंतरिक सड़कों का निर्माण आवश्यक है, ताकि स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इसके अलावा, गांधीनगर नई बस्ती में कई परिवारों को अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पाया है। इस समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभाग से कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। टीम ने लगभग 150 मीटर लंबी एक कच्ची सड़क का भी जायजा लिया। वर्षा ऋतु में यहां आवागमन बाधित होता है, जिसके चलते इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण की आवश्यकता जताई गई। स्थानीय निवासियों ने इन सभी विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की। टीम राजेश्वर ने आश्वासन दिया कि निरीक्षण में चिह्नित सभी आवश्यकताओं से विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह को अवगत कराया जाएगा। विधायक के निर्देश पर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर विकास कार्यों को शीघ्र शुरू करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। क्षेत्रवासियों ने विकास संबंधी समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह और टीम राजेश्वर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होगा।

परिवार सगाई में गया चोरों ने नकदी, जेवर समेत लाखों का सामान चुराया

लखनऊ (संवाददाता)। पीजीआई थाना क्षेत्र के कल्ली पश्चिम गांव में एक बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया। परिवार रिश्तेदारी में एक सगाई समारोह में शामिल होने गया था। चोरों ने घर से नकदी, जेवर और अन्य घरेलू सामान चुरा लिया। रात में लौटने पर परिवार को कमरों के ताले टूटे और सामान बिखरा मिला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पीड़ित संतराम साहू, जो एक होटल संचालक हैं, ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपने परिवार के साथ साढ़ू की बेटी की सगाई में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर गए थे। रात करीब आठ बजे जब वे वापस लौटे, तो घर के अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गए। संतराम के अनुसार, चोरों ने बक्से में रखे लगभग 25 हजार रुपए नकद और करीब डेढ़ लाख रुपए के जेवर चुरा लिए। इसके अलावा, घर से बर्तन और कुछ अन्य कीमती सामान भी गायब मिला। घटनास्थल पर घर के पिछले हिस्से में व्हाइटनर की एक खाली शीशी मिली है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जाएगा।

रामलला दरबार में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार के नेतृत्व में विकसित हो रही रामनगरी अयोध्या में श्रीरामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है। हाल में सामने आए चोरी प्रकरण के बावजूद राम मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना कानून–व्यवस्था और जांच का विषय है, जिसकी पुलिस और एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है। उनका कहना है कि भगवान श्रीराम के प्रति उनकी आस्था अटूट है और दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर में दर्शन–पूजन का क्रम सामान्य रूप से जारी है। श्रद्धालुओं का कहना है कि किसी एक घटना को करोड़ों लोगों की आस्था से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। रामलला हमारे आराध्य हैं और अयोध्या हमारी सनातन आस्था की प्रतीक है। हम रामलला के दर्शन को आए हैं जिनसे हमें आत्मिक बल प्राप्त होता है। दिल्ली से दर्शन करने आई श्रद्धालु पूजा ने कहा कि वह रामलला के दर्शन के लिए आई हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि पुलिस एवं एसआईटी अपना कार्य पूरी निष्पक्षता से कर रही है। इस घटना का उनकी आस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु रूपचंद्र मारवाड़ी ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। जांच अपनी जगह है और दर्शन अपनी जगह। उन्हें न्याय व्यवस्था और जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा है। नागरिकों का कहना है कि अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या पहले की तरह बनी हुई है। होटल, धर्मशालाएं, बाजार और धार्मिक स्थल सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं तथा पूरे शहर में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। व्यवसायी अजय शुक्ला ने कहा कि अयोध्या की पहचान भगवान श्रीराम और यहां आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से है। सरयू घाट पर फोटोग्राफी का कार्य करने वाले मनीष मोदनवाल ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू स्नान और रामलला के दर्शन के बाद अपनी यादगार तस्वीरें खिंचवाने पहुंच रहे हैं।

इनर व्हील क्लब बिलासपुर का इंस्टॉलेशन संपन्नः नई प्रेसिडेंट बनीं डॉ. संगीता मनीष बनाफर

बिलासपुर। वैश्विक संस्था 'इनर व्हील क्लब बिलासपुर' का भव्य पदभार ग्रहण समारोह 5 जुलाई को अत्यंत गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस आयोजन के साथ ही सत्र 2026–27 के लिए नई कार्यकारिणी ने समाज उत्थान और सेवा के संकल्प के साथ अपना कार्यभार संभाला।

बीते वर्ष की उपलब्धियों पर मिला प्लैटिनम सम्मान

निवर्तमान प्रेसिडेंट सुनीता चावला के नेतृत्व में क्लब ने रिकॉर्ड 102 जनकल्याणकारी प्रोजेक्ट्स पूरे किए, जिन्हें एसोसिएशन स्तर पर भी विशेष सराहना मिली। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए निवर्तमान टीम (प्रेसिडेंट सुनीता चावला, सेक्रेटरी सहला खान, आईएसओ रूबी छावड़ा, ट्रेजरर सुनीता अग्रवाल और एडिटर मंजू डंडारिया) को प्लैटिनम सम्मान से विभूषित किया गया। वहीं, पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन (च्क्ब्) जयश्री भट्टाचार्य ने सभी पदाधिकारियों को उपहार एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में पास्ट एसोसिएशन ट्रेजरर रेखा सक्सेना ने उपस्थित सदस्यों को इनर व्हील के मूल सिद्धांतों और उसके गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया।

मुख्य अतिथि का गरिमामय सानिध्य और सम्मान

इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अर्चना मिश्रा (जॉइंट कमिश्नर, पंचायत एवं रूरल डिपार्टमेंट) उपस्थित रहीं। उन्होंने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना मिश्रा को विशेष रूप से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डॉ. संगीता बनाफर का साहित्यिक व भावुक उद्बोधन

समारोह के मुख्य आकर्षण शपिन व कॉलर एक्सचेंजश के तहत आईपीपी सुनीता चावला ने नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट डॉ. संगीता मनीष बनाफर को प्रेसिडेंट कॉलर पहनाकर क्लब की कमान सौंपी। एक कुशल साहित्यकार व ओजस्वी वक्ता के रूप में डॉ. संगीता बनाफर ने भावुक होकर कहा–

यह प्रेसिडेंट कॉलर मेरे लिए मात्र कोई आभूषण नहीं, बल्कि एक पवित्र अनुष्ठान है। इस सेवा रूपी महायज्ञ की हर आहुति मैं पूर्णतः निष्पक्ष, न्यायसंगत और निश्छल होकर देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मेरा ध्येय समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर 'अंत्योदय विकास' को फलीभूत करना और हर जरूरतमंद के आंसू पोंछना है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. संगीता बनाफर इससे पूर्व विश्व हिंदी परिषद (नई दिल्ली) की छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्षा, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (मुंबई) की राष्ट्रीय संयोजक/डिजिटल मीडिया प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय महिला मंच की जिला अध्यक्षा और प्रयागराज मंच की जिला अध्यक्ष जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा चुकी हैं।

सत्र 2026–27 की नई कार्यकारिणी टीम

समाचारों के प्राधिकृत पदानुक्रम के अनुसार नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची इस प्रकार हैरू

प्रेसिडेंटः डॉ. संगीता मनीष बनाफर

वाइस प्रेसिडेंटः गुंजन अग्रवाल

सेक्रेटरीः निशा छत्री

ट्रेजररः रश्मि जयसवाल

आईएसओः अश्विनी यादव

घ्एडिटररू मंजू डंडारिया

नन्हीं अहाना के शास्त्रीय नृत्य ने मोहा मन

सांस्कृतिक सत्र में मात्र 4 वर्ष की नन्हीं साधिका बेबी अहाना भौमिक ने ऊर्जावान भरतनाट्यम नृत्य पेश किया। अहाना की अद्भुत भाव–मुद्राओं ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। वरिष्ठों के आशीष, नन्हीं प्रतिभा की ऊर्जा और नई टीम के निश्छल सेवा संकल्प के साथ इनर व्हील क्लब बिलासपुर ने समाज सेवा का एक नया स्वर्णिम अध्याय शुरू किया है। इस भव्य आयोजन में इनर व्हील के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सहकारिता सप्ताह (29 जून–06 जुलाई 2026) के अंतर्गत भव्य किसान सभा का आयोजन

प्रयागराज। सहकारिता सप्ताह (29 जून से 06 जुलाई 2026) के उपलक्ष्य में दिनांक 06 जुलाई 2026 को विकास खण्ड जसरा, ग्राम जारी, जनपद प्रयागराज में एक भव्य किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आर.पी. सिंह बघेल, डेलीगेट, इफको प्रयागराज रहे।

अपने संबोधन में उन्होंने किसानों को नैनो उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मृदा परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को नियमित रूप से अपनी भूमि की जांच कराने एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी।

इस अवसर पर इफको क्षेत्राधिकारी श्री प्रतीक चौबे द्वारा किसानों को नेचुरल पोटाश एवं कंसोर्टिया के उपयोग, उनके लाभ तथा संतुलित पोषण प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों को यह भी अवगत कराया गया कि खड़ी फसल में डीएपी का प्रयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसका उपयोग अनुशंसित अवस्था एवं वैज्ञानिक सलाह के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में श्री अर्पित पाण्डेय, एजीटी, प्रयागराज द्वारा नैनो उर्वरकों के सही एवं वैज्ञानिक उपयोग, उनकी मात्रा, समय तथा लाभों के संबंध में किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में इफ़को एमसी के टीएमई श्री अरविंद द्विवेदी जी द्वारा भी इफ़को एमसी के सभी उत्पादों के बारें एवम् सही उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

कार्यक्रम में श्री बलराम मिश्र (पूर्व प्रधान, मैदा एवं पूर्व प्रधानाचार्य, मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज), श्री अरुण प्रताप सिंह (प्रबंधक, जवाहरलाल इंटर कॉलेज, जरी), श्री अरुण कुमार सिंह (प्रगतिशील किसान, रामपुर) तथा श्री गोविंद सिंह (प्रगतिशील किसान, जरी) भी उपस्थित रहे।

उक्त किसान सभा में लगभग 130 किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा नैनो उर्वरकों, प्राकृतिक कृषि उत्पादों एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल की साप्ताहिक बैठक का अतरसूया में

प्रयागराज। आज भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के अतरसुइया क्षेत्र में संगठन के द्वारा निर्देशित महीने के साप्ताहिक बैठक में आगामी संगठन के जो कार्य आए किस प्रकार उसको पूर्ण किया जाएस बैठक में उपस्थित महानगर के महामंत्री मंडल के प्रभारी रमेश जी भाई साहब अनिल केसरवानी झललर जी महानगर उपाध्यक्ष भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य पार्षद नीरज टंडन जी पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा जी रेनीज विश्वास श्रीवास्तव जिला मंत्री मंडल के उपाध्यक्ष अनूप मिश्रा पंडित धीरज केसरवानी मसू अब्बास नकवी गुड्डू कनौजिया मयंक अग्रवाल मंडल के मंत्री सुमित गुप्ता अवधेश श्रीवास्तव रेनू चौरसिया पायल गुप्ता सह कोषाध्यक्ष आशीष केसरवानी पूर्व मंडल उपाध्यक्ष लता उपाध्याय जी पूर्व मंडल मंत्री अरविंद गुप्ता जी सोशल मीडिया प्रभारी शास्वत मिश्रा वार्ड अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव आशीष बनर्जी महिला मोर्चा की संयोजक मन की बात रोशनी अग्रवाल युवा मोर्चा मंडल संयोजक अमित गुप्ता पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष जयकिशन चौरसिया अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल संयोजक हरीश अरोरा पूर्व मंडल मंत्री सुरेश निषाद जी पूर्व वार्ड अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी विपिन चोपड़ा जी मुन्ना केसरवानी जी गांधी जी विजय कुशवाहा लोकेंद्र प्रताप सिंह योगेश चौरसिया अविनाश त्रिपाठी आशीष कुशवाहा हिमांशु वर्मा अमित गुप्ता असमत कुरैशी राजेश केसरवानी राज कुमार केसरवानी राजू केसरवानी जी एवं देव तुल्य कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

मोगरा उस...

(कुण्डलिया)

आशा निष्ठा साथ में, शुचिता प्रेम प्रतीक।
दिखे सभी इक फूल में, लगता जो रमणीय।
लगता जो रमणीय, मोगरा उसको कहते।
नारी का श्रंगार, हमेशा हँस कर करते।
सुन लो कहें प्रदीप, ख़ुशी की बन प्रत्याशा।
सबके दिल की बनी, मधुर नव जीवन–आशा।।

जिसके अंतस में सदा, खुशबू करे प्रवास।
सुन्दर सफेद फूल वह, लगे सभी को ख़ास।
लगे सभी को ख़ास, कृष्ण से जिसका नाता।
महफ़िल की बन जान, मोगरा सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, जानिएँ हर गुण उसके।
भक्ति भाव के साथ, प्रेम अंतस में जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

स्ट्रीट लाइट के करंट से बुजुर्ग की मौत, घर से महज 200 मीटर दूर हुआ हादसा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में सोमवार को स्ट्रीट लाइट के करंट की चपेट में आने से 60 वर्षीय होटल संचालक की मौत हो गई। वह घर से चारबाग स्थित अपने होटल के लिए निकले थे। घर से करीब 200 मीटर दूर सड़क पर बारिश का पानी भरा था, जिसमें स्ट्रीट लाइट का करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान न होने पर उसे अज्ञात मानते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान उन्हें घटना की जानकारी मिली। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भतीजे विनोद कपूर ने बताया कि 60 वर्षीय संतोष कपूर चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। वह चारबाग स्थित जय मां वैष्णो भोजनालय के संचालक थे। सोमवार दोपहर वह होटल जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में थाना बीबीडी क्षेत्र के एसटीपी चौराहे के पास बारिश का पानी भरा था। इसी दौरान स्ट्रीट लाइट का करंट पानी में उतर आया और वह उसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद उनकी पहचान नहीं हो सकी, जिसके चलते पुलिस ने शव को अज्ञात के रूप में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर परिजनों को घटना की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को रौंदा,दो युवक घायल, चालक गाड़ी छोड़कर फरार

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवक घायल हो गए। हरिकांशगढ़ी चौकी के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजा और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना मोहनलालगंज थाना क्षेत्र स्थित हरिकांशगढ़ी चौकी के पास मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया।पुलिस के अनुसार, बाइक संख्या यूपी 32 एलडी 7006 पर सवार शुभम यादव (पुत्र रामचंद्र यादव, निवासी नगर पुरसैनी) अपने एक साथी के साथ जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार यूपी 40 एके 5412 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तत्काल घायलों को उनके परिजनों की मदद से ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर सड़क से हटवाया, जिससे यातायात सामान्य हो सका। पुलिस ने बताया कि फरार चालक की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पिटाई से घायल युवक की मौत पर हंगामा, शव रखकर प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा में बाइक से बकरी को टक्कर लग जाने पर एक युवक को लाठी से पीटा गया। आज मंगलवार को 10 दिन बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन आरोपियों पर एफआईआर लिखवाने थाने पहुंचे। वहां रिपोर्ट न लिखे जाने के बाद उनका आक्रोश फूट पड़ा। परिजनों ने मृत युवक का शव बंथरा थाना क्षेत्र के फतेहगंज–नारायणपुर रोड पर रख दिया और नारेबाजी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि पुलिस को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करनी होगी। पुलिस सुबह 8 बजे से समझाती रही।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 26/30 दिनांकः 03.07.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20263497	ए ओ एच (टी ओ एच) किट फॉर एमी मेक	321 सेट	30.07.2026
2	20263194	किट बी आई ओ एच किट फॉर एयर ड्रायर	96 सेट	12.08.2026
3	20263491	सेट ऑफ सिलिण्ड्रीकल रोलर बियरिंग	456 सेट	17.08.2026
4	40261265	4.5KW, 110/120V DC ब्रशलेस अल्टरनेटर	121 नग	20.08.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदा का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1526/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या 5120262027 दिनांकः 06.07.2026

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 29.07.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं. 116 | अनुमानित मूल्य (रू): 56,79,517.60

कार्यों का विवरणः मण्डल इंजीनियर/पश्चिम/प्रयागराज के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों के लिए भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और यार्ड ई.एस.पी. के तैयारी के लिए फोटोग्रामेट्री का कार्य।

बयाने की रकम (रू): 1,13,600.00 | कार्य समापन की अवधिः 02 माह

निविदा खुलने की तिथिः 29.07.2026

इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः रेलवे लाइन/सड़क मार्ग का इंजीनियरिंग सर्वेक्षण

नोटः- 1. आन लाइन निविदा दिनांक 29.07.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 29.07.2026 तक उपलब्ध है। 1543/26(K)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन–प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन–प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है– सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस–पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता–जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल–स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत शृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है। देश की शीर्ष अदालत ने भी बार–बार कहा है कि जब्त गाड़ियों को अनिश्चित समय के लिये सड़कों पर सड़ने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता। सड़क सुरक्षा के मायने सिर्फ ट्रैफिक नियमों को लागू करवाना या संरचना को बेहतर बनाना ही नहीं है। वास्तव में लोगों की जान बचाने के लिये दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से हटाना भी एक बुनियादी प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

उज्जैन से अयोध्या यात्रा: दिग्विजय फिर सुर्खियों में

शकील अख्तर

दिग्विजय सिंह ने बाजी पलट दी। उनके खिलाफ कांग्रेस में ही जो माहौल बनाया जा रहा था वह उनकी एक घोषणा से छिन्न–भिन्न हो गया। उन्हें जो राजनीति का चाणक्य कहा जाता था वह उन्होंने साबित कर के दिखा दिया। उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या के श्रीराम मंदिर तक की पद यात्रा की घोषणा से मध्य प्रदेश के वे सब कांग्रेसी चौंक गए, सदमे में आ गए जो सोच रहे थे कि उन्होंने दिग्विजय को राजनीति से खत्म कर दिया। दिग्विजय की यह घोषणा एक धमाके की तरह थी। वे कांग्रेसी रक्षात्मक मुद्रा में चले गए जिन्होंने पार्टी की पोलिटिकल कमेटी की मीटिंग में दिग्विजय पर भाजपा का स्लीपर सेल होने से लेकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार के जिम्मेदार, पुत्र मोह तक के आरोप लगा दिए। विधायक आरिफ मसूद को बाकायदा सफाई देना पड़ी कि उन्होंने स्लीपर सेल नहीं कहा। मौके के फायदा उठाकर राजनीतिक वनवास में जा चुके सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी ने भी आरोप लगा दिए कि उन्होंने कांग्रेस पर कब्जा कर रखा है। इस मामले में कोई दो राय नहीं कि दिग्विजय के 50 साल से ज्यादा के लंबे राजनीतिक सफर में कांग्रेस में कई लोगों से उनकी प्रतिद्वंद्विता रही। सत्यव्रत चतुर्वेदी भी उनमें से एक थे मगर वे भाजपा के लिए काम करते हैं इस आरोप को कोई नहीं मानेगा। खुद चतुर्वेदी को कांग्रेस से निष्कासित किया जा चुका है। उनके बेटे को भी जो 2018 विधानसभा में सपा से चुनाव लड़ा था। मगर इस समय एकाएक सबको लगा कि इस समय दिग्विजय का विकेट कमजोर है उसे गिरा दो। राजनीति में यह होता है कि अगर लगे कि किसी को दिल्ली का समर्थन नहीं है तो लोग तत्काल पाला बदल लेते हैं। मध्य प्रदेश में तो यह बहुत होता है। दोनों पार्टियों में। भाजपा में उमा भारती के साथ हुआ। इसके बावजूद की 2003 में भाजपा को सत्ता में वही लाईं थीं और फिर रोज शिवराज की जय जयकार करने वाले किस तरह मोहन यादव में मोहन युग देखने लगे यह भी सब देख रहे हैं। इससे पहले के नेताओं कैलाश जोशी वगैरह के साथ भी। कांग्रेस में तो यह और ज्यादा शोर के साथ होता है। शुक्ल बंधु श्यामाचरण और विद्याचरण किस तरह अलग थलग पड़ गए सबने देखा। उनका पावर भी लोगों को याद है। मगर समय बदला तो एक आदमी भी उनके साथ नहीं होता था। और यह सब के साथ हुआ डीपी मिश्रा, प्रकाशचन्द्र सेठी, अर्जुन सिंह सत्ता में न रहने और हाईकमान का हाथ हटने के बाद एकदम अकेले पड़ गए। यही कोशिश दिग्विजय के साथ थी। मगर मध्य प्रदेश की राजनीति में यह पहली बार हुआ कि किसी ने समय की धारा को बदला हो। देश की राजनीति में यह काम नेहरू गांधी परिवार करता रहा। 1980 में इन्दिरा गांधी ने वापसी की। 2004 में सोनिया गांधी ने और 2022 में राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा निकालकर। और उसके बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनकर खुद का नेतृत्व साबित कर दिया और कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष में उम्मीदें भर दीं। यह समय राहुल का है। मोदी हर मोर्चे पर डिफेन्सिव हैं। राजनीति में वापसी के लिए सबसे जरूरी चीज होती है–विल पावर। मजबूत इच्छाशक्ति। राहुल लगातार वह दिखा रहे हैं और इधर दिग्विजय ने भी वही दिखाई है। कुछ ही महीनों बाद 80 के हो जाएंगे। जब सार्वजिनक घोषणा करने से पहले खुद दोस्तों को बताया था कि इस बार राज्यसभा नहीं लेंगे तो मजाक में कहा था– बूढ़ा हो गया हूं। मगर जैसा बुंदेलखंडी में कहते हैं कि ना तो बुंदेला बुढ़ो पड़ गओ, न ही लचक गई तलवार! मतलब अगर कहीं कोई चुनौती आती है तो उम्र कोई बाधा नहीं है। 2017 में जब उन्होंने नर्मदा यात्रा की घोषणा की थी तो किसी को अंदाजा नहीं था कि वह इतनी सफल रहेगी और 2018 विधानसभा में कांग्रेस की वापसी करवा देगी। करीब 3300 किलोमीटर की यह पैदल यात्रा आधे साल से ज्यादा चली थी। पत्नी अमृता राय ने भी पूरी यात्रा पैदल साथ की। तब दशहरे से यात्रा शुरू की थी। अब भी वही दिन होंगे। 2 अक्टूबर को गांधी जयन्ती से उज्जैन से शुरू करेंगे। करीब हजार किलोमीटर। दिग्विजय ने कहा है कि करीब 10–15 किलोमीटर रोज चलेंगे। मतलब ढाई से तीन महीने की यह पदयात्रा होगी। कई राज्यों से होते हुए। राष्ट्रीय महत्व की। उज्जैन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पर जमीनों को हड़पने का आरोप है और अयोध्या में आरएसएस विश्व हिन्दू परिषद पर चढ़ावा चोरी का। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रस्ट बनाया था उद्घाटन किया था। मगर जिस आस्था के सम्मान के नाम पर सत्ता में आए हैं उसकी चोट पर एक शब्द नहीं बोले हैं। दुनिया में हमारा जलवा है यही बता रहे हैं। वहां जब सारी निगरानी इनकी थी। ट्रस्ट में आदमी इनके थे तो लोगों की आस्थाओं के साथ कैसे खिलवाड़ हुआ? यह नहीं बता रहे।

दिग्विजय सिंह की पद यात्रा में यह सवाल रोज उठेंगे। मोदी के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी। राहुल को भी इस यात्रा में शामिल होना चाहिए। नर्मदा यात्रा में दिल्ली में बैठे कांग्रेस के नेताओं ने ही राहुल को इसमें शामिल नहीं होने दिया था। कई बार प्रोग्राम बना और भांजी मारने वालों ने हर बार कैन्सिल करवा दिया। वे लोग राहुल के भी शुभचिन्तक नहीं थे। आखिर में उन्होंने ही राहुल का अध्यक्ष पद से इस्तीफा भी करवाया। खुद साइन न करके जी–23 भी बनवाया। जिसने सोनिया गांधी के अस्पताल में रहते हुए उन्हें राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखी। वाकई राहुल का संयम और किसी को नुकसान पहुंचाने की भावना से दूर रहना बहुत बड़ी बात है। अगर वे बदला लेते तो कांग्रेस के बहुत सारे बड़े नेताओं को निपटा सकते थे। मगर जी–23 उसकी साजिश के पीछे के लोग किसी को उन्होंने नुकसान नहीं पहुंचाया। देश में बदलाव की लहर शुरू हो गई है। विपक्ष के दूसरे दल कांग्रेस के साथ जुड़ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में जहां चुनाव हैं। वहां अखिलेश यादव कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का पैगाम बार–बार दे रहे हैं। राहुल भी उसी तरह का गर्मजोशी का जवाब दे रहे हैं। इंडिया गठबंधन मजबूत हो रहा है और जो इस दायरे से बाहर भी है वे भी मुद्दों पर साथ आ रहे हैं। डीएमके और आम आदमी पार्टी ने अभी एसआईआर के नाम पर भाजपा को फायदा पहुंचाने के विरोध में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को लिखे पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इसका मतलब है कि मिलकर लड़ना होगा। ऐसे में कांग्रेस के अन्दर अनावश्यक विवाद होना खुद उसके लिए नुकसानदेह है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह समझा और अभी दतिया के कार्यकर्ता सम्मेलन में दिग्विजय के साथ एक ट्रेन में गए। उस फोटो और विडियो को ट्विट किया। जीतू की इस राजनीतिक परिपक्वता से खुद उनका कद ऊंचा हुआ और मध्यप्रदेश कांग्रेस में वापस एकता की भावना आई। दतिया में उप चुनाव है। वहां अगर कांग्रेस एक होकर चुनाव लड़ ली तो अपनी सीट कायम रख सकती है। 2023 में यहां कांग्रेस ही जीती थी।

गाजा संघर्ष: नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

आर. सूर्यामूर्ति

सयुक्त राष्ट्र की हालिया स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की रिपोर्ट ने इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में जारी हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की गंभीर तस्वीर पेश की है। यह रिपोर्ट केवल अत्याचारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्थापित नियम–आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था अपनी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता खोती जा रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था इस सिद्धांत पर आधारित थी कि कोई भी देश, सेना या सशस्त्र संगठन अंतरराष्ट्रीय कानून से ऊपर नहीं होगा। इसी उद्देश्य से जिनेवा कन्वेंशन, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय जैसी संस्थाओं की स्थापना की गई थी, ताकि शक्ति पर कानून का नियंत्रण बना रहे। लेकिन गाजा और कब्जे वाले पश्चिमी तट की स्थिति यह संकेत देती है कि ये संस्थाएं अब जवाबदेही सुनिश्चित करने के बजाय केवल उल्लंघनों का रिकॉर्ड तैयार करने तक सीमित होती जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कब्जा और अधिक गहरा हुआ है, बस्तियों का विस्तार तेज हुआ है और आम नागरिकों की पीड़ा सामान्य स्थिति बन गई है। रिपोर्ट इजरायल पर ऐसे हालात बनाने का आरोप लगाती है, जिनमें बसने वालों की हिंसा राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का माध्यम बनती जा रही है। दूसरी ओर, रिपोर्ट हमास द्वारा फिलिस्तीनियों के खिलाफ फांसी, यातना और भय का वातावरण बनाकर नियंत्रण स्थापित करने की भी चर्चा करती है। इस संघर्ष में आम नागरिक एक ओर राज्य की सैन्य शक्ति और दूसरी ओर उग्रवादी हिंसा के बीच फंस गए हैं। इजरायल अपनी सुरक्षा और सात अक्टूबर के हमलों का हवाला देता है, जबकि फिलिस्तीनी दशकों से चले आ रहे कब्जे, विस्थापन और सैन्य कार्रवाई की ओर ध्यान दिलाते हैं। दोनों पक्षों के अपने–अपने तर्क हैं, लेकिन इनमें से कोई भी नागरिकों पर हमले, बंधक बनाने, सामूहिक दंड, यातना या जबरन जनसंख्या परिवर्तन को उचित नहीं ठहरा सकता। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने के लिए नहीं, बल्कि युद्ध के दौरान भी मानवीय सीमाएं तय करने के लिए बनाया गया है।रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि अत्याचारों के दस्तावेजीकरण और जवाबदेही के बीच की दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। आज संयुक्त राष्ट्र उपग्रह चित्रों, डिजिटल फॉरेंसिक तकनीकों और प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही के माध्यम से पहले से कहीं अधिक प्रभावी ढंग से जांच करने में सक्षम है। इसके बावजूद राजनीतिक स्तर पर कार्रवाई का अभाव बना हुआ है। रिपोर्टें तैयार होती हैं, आपात बैठकें बुलाई जाती हैं, और प्रस्ताव पारित किए जाते हैं, लेकिन जमीन पर हिंसा और मानवीय संकट जारी रहते हैं। पश्चिमी तट की स्थिति इस विफलता को और स्पष्ट करती है। लंबे समय तक बसने वालों की हिंसा को कुछ चरमपंथी व्यक्तियों की अलग–थलग घटनाओं के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन आयोग का कहना है कि हमलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और फिलिस्तीनी समुदायों की सुरक्षा में लगातार विफलता ने दंडमुक्ति की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। जब हिंसा का इस्तेमाल समुदायों को विस्थापित करने, जनसांख्यिकीय बदलाव लाने और क्षेत्रीय नियंत्रण बदलने के लिए होने लगे, तो वह केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाती, बल्कि नीति का साधन बन जाती है। रिपोर्ट हमास की भूमिका पर भी उतनी ही स्पष्ट है। इसमें बताया गया है कि संगठन ने फांसी, यातना और सार्वजनिक भय के जरिए अपने नियंत्रण को मजबूत किया। यह निष्कर्ष उन चयनात्मक राजनीतिक धारणाओं को चुनौती देता है, जिनमें एक पक्ष को पूरी तरह सही और दूसरे को पूरी तरह गलत मान लिया जाता है। यदि मानवाधिकारों का मूल्यांकन राजनीतिक निष्ठा के आधार पर होने लगे, तो कानून की सार्वभौमिकता समाप्त हो जाएगी। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि यह संकट केवल गाजा तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो का अधिकार कई बार ऐसे समय सामूहिक कार्रवाई को रोक देता है, जब उसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। गाजा, यूक्रेन, सूडान और म्यांमार जैसे संघर्षों में बार–बार यही स्थिति देखने को मिली है कि प्रस्ताव आते हैं, कूटनीतिक गतिरोध बना रहता है और आम नागरिक सबसे अधिक कीमत चुकाते हैं। गाजा संघर्ष ने प्रमुख शक्तियों के दोहरे मानदंडों की बहस को भी तेज किया है। अमेरिका इजरायल की सुरक्षा का समर्थन करते हुए मानवीय स्थिति पर चिंता जताता है। यूरोपीय देशों के भीतर भी मतभेद दिखाई देते हैं, जबकि रूस और चीन अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, लेकिन स्वयं भी ऐसे आरोपों से घिरे रहे हैं। इससे विशेषकर वैश्विक दक्षिण के देशों में यह धारणा मजबूत हुई है कि नियम–आधारित व्यवस्था सभी देशों पर समान रूप से लागू नहीं होती। यदि जवाबदेही चयनात्मक दिखाई देगी, तो देश कानूनी दायित्वों के बजाय राजनीतिक संरक्षण की गणना करने लगेंगे। इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। दुनिया भर की सेनाएं और सशस्त्र संगठन गाजा को भविष्य के युद्धों के लिए एक उदाहरण के रूप में देख रहे हैं। यदि मानवीय कानून के उल्लंघन की राजनीतिक कीमत लगातार घटती गई, तो भविष्य के संघर्ष और अधिक क्रूर हो सकते हैं। इस संघर्ष का सबसे गहरा प्रभाव अगली पीढ़ी पर पड़ेगा। फिलिस्तीनी बच्चे विस्थापन, अभाव और हिंसा के बीच बड़े हो रहे हैं, जबकि इजरायली बच्चे आतंकवाद, असुरक्षा और कठोर होती राजनीतिक सोच के माहौल में जीवन जी रहे हैं। भवन और सड़कें दोबारा बनाई जा सकती हैं, लेकिन विश्वास और सामाजिक संबंधों का पुनर्निर्माण कहीं अधिक कठिन होता है। केवल युद्धविराम, मानवीय सहायता या पुनर्निर्माण स्थायी समाधान नहीं दे सकते। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जवाबदेही की उस व्यवस्था को मजबूत करना होगा, जिसमें जांच केवल अभिलेख तैयार करने तक सीमित न रहे, बल्कि उसके आधार पर कानूनी, कूटनीतिक और राजनीतिक कार्रवाई भी सुनिश्चित हो। गाजा का सबसे बड़ा नुकसान केवल वहां की तबाह इमारतें और बिखरे जीवन नहीं, बल्कि यह भी हो सकता है कि दुनिया का यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि कानून अब भी शक्ति को नियंत्रित कर सकता है। एक बार यह विश्वास टूट गया, तो उसे दोबारा स्थापित करना किसी भी उजड़े शहर के पुनर्निर्माण से कहीं अधिक कठिन होगा।

मीरा जैसी विद्रोही तीजनबाई

सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजनबाई ने लोककला के मंच को सूना करते हुए इस संसार से विदा ले ली है। हालांकि उनके तंबूरे की धुन और बुलंद लेकिन मधुर आवाज लोक कला संसार में उसी तरह गूंजती रहेगी, जैसे तानपूरा लिए मीरा बाई के भजन। कृष्ण

की भक्ति में डूबी मीरा ने जमाने के बनाए नियमों के विरुद्ध जाकर अपने गिरधर गोपाल के भजन लिखे और गाए। भक्तिभाव हर इंसान का हक है और उसे जाहिर करने में स्त्री–पुरुष का भेद नहीं होना चाहिए, इस बराबरी के सिद्धांत को मीरा ने सारे संघर्षों के साथ निभाया। तो उन्हीं की तरह तीजनबाई ने भी पंडवानी गायन की कला में स्त्री–पुरुष के भेद को चुनौती दी। और उस कापालिक शैली की पंडवानी को अपने जीवन से जोड़ा जो एक वक्त तक केवल पुरुषों के अधिकार क्षेत्र में थी। इस तरह तीजनबाई का जाना सिर्फ एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि लोककला में उस सांस्कृतिक क्रांति के एक युग का अंत है जिसने आधी आबादी को खुलकर अपनी कला प्रदर्शित करने का हौसला दिया। तीजनबाई को छत्तीसगढ़ के गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक खूब सराहना मिली, उनकी कला की कद्र हुई। देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से उन्हें नवाजा गया। डी लिट् की उपाधि उन्हें मिली। इंदिरा गांधी से लेकर हबीब तनवीर तक कई अहम हस्तियां उनकी कला की प्रशंसक रहीं, इन सबके बावजूद तीजनबाई के जीवन संघर्ष खत्म नहीं हुए। लेकिन उन्होंने अपनी कला को जीवित रखने और आगे बढ़ाने का अद्भुत जज्बा दिखाया और किसी भी हाल में टूटी नहीं। दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी तीजनबाई पारधी अनुसूचित जनजाति से आती थीं। इस जनजाति को अंग्रेजों ने आपराधिक जनजाति अधिनियम, 1871 के तहत अपराधी जाति घोषित कर दिया था, बाद में जवाहर लाल नेहरू के प्रयास से 31 अगस्त, 1952 को यह अधिनियम निरस्त कर दिया गया। मगर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के आ जाने से इस जाति के लोगों की रोजी–रोटी पर गहरा संकट छा गया। इस समुदाय के अधिकतर लोग दिहाड़ी मजदूरी करके जीवनयापन करने को मजबूर हो गए। ऐसे समुदाय से आने वाली तीजनबाई ने बचपन से ही पंडवानी के लिए अपना रुझान दिखाया और फिर इससे ऐसी पहचान बनाई कि पंडवानी और तीजनबाई एक–दूसरे के पूरक हो गए। बचपन में तीजनबाई अपने नाना को पंडवानी गाते हुए सुनती थीं। एक बार नाना ने उन्हें सुनते देखा तो उन्होंने तीजनबाई को गाना सिखाया। यहीं से तीजन बाई का संगीत का सफर शुरू हुआ। 13 साल की उम्र में तीजनबाई ने पहली बार मंच पर प्रस्तुति दी। लेकिन सबको चौंकाते हुए उन्होंने पंडवानी की कापालिक शैली को अपनाया, जिसमें खड़े होकर गाया जाता है। जबकि तब महिलाएं केवल बैठकर श्वेदमती शैलीश में पंडवानी गाती थीं। तीजनबाई ने सामाजिक बंधनों और पुरुषों के वर्चस्व को चुनौती देते हुए हाथ में तंबूरा लेकर, खड़े होकर और गरजती हुई आवाज में महाभारत के प्रसंगों का ऐसा गान शुरू किया, जो इतिहास बन गया। पाठक जानते हैं कि पंडवानी में महाभारत की कहानियां सुनाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक कला पंडवानी को पहले केवल पुरुष ही गाते थे, लेकिन स्त्रियों के लिए इसमें दरवाजा खोला लक्ष्मीबाई बंजारे ने, जिन्होंने वेदमती शैली में पंडवानी गाने का साहस दिखाया और उनके बाद तीजनबाई ने कापालिक शैली में यह काम कर दिखाया। तीजनबाई ने छत्तीसगढ़ के गांवों और दुर्ग–भिलाई के आसपास अपनी कला का प्रदर्शन शुरुआत में किया। फिर उन्हें भोपाल के भारत भवन से पंडवानी गाने का न्यौता मिला। यहां पंडवानी गायन के दौरान सुप्रसिद्ध नाटककार हबीब तनवीर तीजन बाई के अभिनय, गायन और गर्जन को देखकर काफी प्रभावित हुए और देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने उन्हें पंडवानी गाने का मौका दिलवाया। जाने–माने निर्देशक श्याम बेनेगल ने उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें अपने धारावाहिक श्भारत एक खोजश में महाभारत प्रसंग के लिए आमंत्रित किया। इस तरह तीजनबाई की कला घर–घर तक पहुंची। तीजनबाई की प्रतिभा को सम्मानित करते हुए भिलाई स्टील प्लांट ने उन्हें साल 1986 में नौकरी दी। देश में सार्वजनिक निकाय किस तरह रोजगार सृजन के अलावा खेल, कला जैसे क्षेत्रों की हस्तियों को आगे बढ़ाने का काम करते थे, यह उसी का एक उदाहरण था। निजीकरण की अंधी दौड़ में ऐसी जिम्मेदारियां कब तिरोहित कर दी जाती हैं, पता ही नहीं चलता। आईपीएल जैसे आयोजनों में खिलाड़ियों की खरीद–फरोख्त ही नव सामान्य बन चुका है। बहरहाल, समाज ने तीजनबाई की कला को परखा और सराहा तो वहीं सरकार ने उन्हें पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा। 1988 में पद्मश्री, 1995 में संगीत नाटक अकादमी, 2003 में पद्मभूषण, 2018 में फुकुओका पुरस्कार और 2019 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। कला की ऊंचाइयों और इसके बूते समाज में अलग पहचान बनाने वाली तीजन बाई का निजी जीवन त्रासद ही रहा। उनके तीन असफल विवाह रहे। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ में जब एक बार मंच पर तीजन पंडवानी गा रही थी तो अचानक उनके पति ने अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उनका अपमान किया और मंच पर खड़े हो गए। लेकिन तीजनबाई ने इसका प्रतिकार करते हुए जोर से कहा, श्तुमने केवल मेरा ही नहीं बल्कि मेरी कला और इस मंच का भी अपमान किया है। इसलिए तुम अब माफी के लायक नहीं हो, आज से तुम? मेरे कोई नहीं हो।श तो उनके पारिवारिक जीवन में संघर्ष कभी खत्म ही नहीं हुआ, लेकिन पंडवानी का अभ्यास और गायन नहीं छोड़ा। महाभारत के पात्रों को मंच पर वे जीवंत करती थीं और इसमें साथ देता था उनका तंबूरा। तंबूरे को सह–कलाकार बताते हुए तीजन बाई ने कहा कि विभिन्न कहानियों में इसका किरदार बदल जाता है। भीम की कथा में यह गदा बन जाता है कि अर्जुन की कथा सुनाते समय धनुष बाण। द्रौपदी के दर्द को तीजनबाई पूरी जीवंतता के साथ बयां करती थीं। तीजनबाई ने कहा था कि द्रौपदी का दर्द उनसे सहन नहीं होता। महिला होकर उसने बहुत संघर्ष किया। शायद महिला होना भी वजह है कि मैं उसके दर्द से व्यथित हो जाती हूं, इसलिए कहानी सुनाते समय डूब जाती हूं।

जब मैं दुल्हन बनीं, अंशुला ने शादी में पहना मां का 42 साल पुराना जरदोजी दुपट्टा लिखा-सिर्फ एक ही चीज

> इसी के साथ अंशुला ने अपने लुक को लेकर एक खास बात भी लिखी है। अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी में पहने इस खास लहंगे में कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। अंशुला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, जब मैं दुल्हन बनी।

अंशुला कपूर ने रोहन ठक्कर से शादी कर ली है। शादी के एक दिन बाद अंशुला ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने ब्राइडल लुक की कई तस्वीरें साझा कीं। इसी के साथ अंशुला ने अपने लुक को लेकर एक खास बात बताई है। फिल्म निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने 6 जुलाई को रोहन ठक्कर के साथ शादी कर ली है। आज शादी के एक दिन बाद अंशला ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फैंस को खुश कर दिया है। इसी के साथ अंशुला ने अपने लुक को लेकर एक खास बात भी लिखी है। अंशुला कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी में पहने इस खास लहंगे में कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में अंशुला बेहद सुंदर दिखाई दे रही हैं। अंशुला ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, जब मैं दुल्हन बनी, तो मैं अपने साथ सिर्फ एक ही चीज ले जाना चाहती थी और वो है मेरी मां का 42 साल पुराना जरदोजी का दुपट्टा। अंशुला ने आगे लिखा, श्मेरी शादी के जोड़े की बाकी सभी चीजें इसी दुपट्टे को ध्यान में रखकर तैयार की गईं। अंशुला ने आगे लिखा, अपनी जिंदगी के इस नए सफर की शुरुआत पर, मुझे अपनी मां की यादों के अहसास में लिपटे रहना सबसे सही लगा, जिसने मुझे पाल-पोसकर बड़ा किया है। अंशुला का लुक कई फैशन डिजाइनर्स ने मिलकर तैयार किया है। अंशुना ने लिखा, डिजाइनर तरुण तहिलियानी, मोहित राय और रुचि कृष्णा की मदद से इस पुरानी और कीमती चीज के इर्द-गिर्द मेरा पूरा लुक तैयार किया गया। अंशुला ने आगे लिखा, यह ब्राइडल लुक पूरे भारत की कला का एक खूबसूरत संगम है, जिसमें, बारीक कसीदा कढ़ाई और शानदार जरी का काम है। मेरे परिवार को सम्मान देने के लिए एक बंधनी घरचोला दुपट्टा शामिल किया गया। इसका रंग हल्के गुलाबी जैसा है। अंशुला ने आगे लिखा, श्मेरी पंजाबी जड़ों को याद करने के लिए इसमें सुंदर फुलकारी बॉर्डर भी जोड़ा गया। तरुण, मेरी इस भावना को समझने और मेरे लिए एक ऐसा लहंगा बनाने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया, जो हमेशा के लिए यादगार और बिल्कुल मेरे जैसा है। अंशुला का लहंगा फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी ने तैयार किया है। ज्वैलरी रानीवाला 1881 की ओर से बनाई गईं। कलीरे मृणालिनी चंद्रा ने तैयार की हैं। स्टाइलिंग मोहित राय और रुचि कृष्णा ने की है। अंशुला का मेकअप और बाल सवलीन मनचंदा, शिवानी और पूजा देवपुरिया ने किया है।

लॉकअप 2 में फूट-फूट कर रोई सुनीता अहूजा, बोलीं- मुझे यहां से बाहर निकालो, गोविंदा ने मुझे मना भी किया था ...

नेटफ्लिक्स के शो लॉकअप के दूसरे सीजन ने लोगों के दिल में खूब जगह बनाई है। आए दिन शो में कुछ न कुछ ऐसा जरूर हो रहा है, जिसकी वजह से फैंस के मन में काफी एक्साइटमेंट रहती है। कुछ दिनों से आकांक्षा चमोला अपने बयान की वजह से सुर्खियों में चल रही हैं और अब सुनीता आहूजा ने ऐसी बात बोल दी है, जिसकी वजह से सबका ध्यान उनकी तरफ चला गया है। हुआ कुछ ऐसा कि सुनीता ने शो से वापिस घर जाने की जिद पकड़ ली है। दरअसल, लॉक यूपीपी 2 में कंटेस्टेंट्स को दिए गए खाने की गुणवत्ता और मात्रा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। इस वजह से गोविंदा की पत्नी सुनीता नाराज हो गई हैं। इसके बाद उन्होंने कहा की क्या उन्हें ढंग का खाना खाने के लिए भीख मांगनी पड़ेगी और बाकी कंटेस्टेंट्स से भी अपने हक के लिए आवाज उठाने की बात कही। खराब सूप की वजह से सुनीता ने मेकर्स को खूब खरी-खोटी सुनाई। एपिसोड में दिखाया गया कि नाराजगी के चलते सुनीता ने बिना खाना खाए ही रात गुजारी। अगले दिन भी उसका गुस्सा कम नहीं हुआ। उन्होंने मेकर्स को कहा कि यदि वो खुद को शांत दिखा रही हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि उनकी भावनाओं का इस्तेमाल सिर्फ फुटेज के लिए किया जाए। आखिर में उन्होंने साफ कर दिया कि वो शो से बाहर जाना चाहती हैं। इसी के साथ सुनीता ने उस बात को भी याद किया कि गोविंदा ने उन्हें इस शो में आने से रोका था। मेरे को चि चि ने बोला था कि तू मत जा, अब मुझे यह लग रहा है कि मुझे उनकी बात मान लेनी चाहिए थी। इसी गुस्से की वजह से उन्होंने सुबह टास्क का हिस्सा बनने के मना कर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें सही से खाना नहीं मिलता, उनका शरीर कांपने लग जाता है।

अप्सरा बनीं रैपर कार्डी बी, पेरिस कॉउचर फैशन वीक में चलाया जादू

> अमेरिकी रैपर कार्डी बी ने पेरिस कॉउचर फैशन वीक में अपने लुक, खूबसूरत ड्रेस के जरिए महफिल ही लूट ली। वह भारतीय डिजाइनर राहुल मिश्रा के ऑटमधविंटर **2026-27** फैशन वीक में गेस्ट की लिस्ट में सबसे आगे बैठी थीं।

अमेरिकन रैपर कार्डी बी हाल ही में पेरिस काउचर फैशन वीक में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनका लुक खूब चर्चा में रहा। डिजाइनर राहुल मिश्रा की बनाई ड्रेस में वह किसी अप्सरा सी नजर आईं। अमेरिकी रैपर कार्डी बी ने 6 जुलाई को पेरिस कॉउचर फैशन वीक में अपने लुक, खूबसूरत ड्रेस के जरिए महफिल ही लूट ली। वह भारतीय डिजाइनर राहुल मिश्रा के ऑटम/विंटर 2026-27 फैशन वीक में गेस्ट की लिस्ट में सबसे आगे बैठी थीं। उनके साथ भारतीय बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी नजर आईं। इस शो के लिए कार्डी बी ने राहुल मिश्रा के लेटेस्ट कलेक्शन देवी-द इटरनल म्यूज का एक गाउन पहना था। यह आइवरी कलर का कस्टम कोर्सेट गाउन था। यह खूबसूरत गाउन प्राचीन भारतीय मंदिरों की नक्काशी और मूर्तियों से इंस्पायर था। इस गाउन में राहुल मिश्रा की खास कारीगरी दिखी उन्होंने कमर पर बारीक मोतियों की डिटेलिंग की थी। कार्डी बी ने भी अपने लुक को अलग बनाने के लिए मांग-टीका और बड़े शोल्डर-डस्टर ईयररिंग्स पहने थे। ईशा अंबानी भी इसी तरह की ड्रेस पहने नजर आईं। वह भी फैशन वीक में कार्डी बी के पास ही बैठी थीं। कार्डी बी ने गाउन लुक में कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'मैं सिर्फ राजकुमारी जैसा ट्रीटमेंट ही स्वीकार कर रही हूं। राहुल मिश्रा क्या शानदार शो था, शुक्रिया।' कार्डी बी का असली नाम बेल्कालिस मार्लेनिस है। वह एक सफल अमेरिकी रैपर, सॉन्ग राइटर और मीडिया पर्सनालिटी हैं। अपने जबरदस्त रैपिंग अंदाज और बेबाक बोल के लिए कार्डी बी मशहूर हैं। वह अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य पर भी अपनी राय रखती रहती हैं।

पति से तलाक के बीच सेलिना जेटली ने महिलाओं से की खास अपील, बोलीं यह बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है

बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपने पति के साथ मुश्किल भरे तलाक को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने महिलाओं से एक गुजारिश की है। सभी महिलाओं से उन्होंने अपील की है कि प्री-नअपशियल एग्रीमेंट (शादी से पहले का समझौता) जरूर करें। सेलिना जेटली ने दावा किया कि पीटर ने उन्हें अपनी निजी संपत्ति उनके नाम करने के लिए मजबूर किया। ऐसे में अलग होते समय उनके पास कुछ भी नहीं बचा। इसीलिए, सेलिना ने कहा कि महिलाओं को शादी से पहले प्री-नअप पर साइन करना चाहिए, खासकर उन महिलाओं को जिनके पास अपनी निजी संपत्ति है। उन्होंने कहा मैं लड़कियों को सलाह दूंगी कि अगर आपके पास अपनी संपत्ति है, तो प्लीज प्री-नअप जरूर करें। शादी से पहले प्री-नअप जरूर करें। अपनी संपत्ति हमेशा अलग रखें। क्योंकि, आप जानते हैं, आखिर में सब कुछ संपत्ति पर ही आकर रुकता है। सारा प्यार, सारी देखभाल, साथ रहने के वादे, बच्चे, मौत और जन्म सब कुछ आखिर में संपत्ति पर ही सिमट जाता है। यही बात मुझे सबसे ज्यादा दुख देती है। सेलिना ने 2010 में ऑस्ट्रियाई बिजनेसमैन पीटर हाग से शादी की थी। इस कपल के जुड़वा बेटे हैं। इस साल मई में, मुंबई की लॉ फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने बताया कि सेलिना को उनके अलग हो चुके पति पीटर हाग और उनके पिता वोल्फगैंग जे. हाग से कानूनी नोटिस मिले। इन नोटिस में उन पर आरोप लगाया गया था कि तलाक और बच्चों की कस्टडी की चल रही कार्यवाही के दौरान उन्होंने इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें कही थीं।

धुरंधर फ्रेंचाइज के साथ रणवीर सिंह ने हिंदी सिनेमा को दी नए दौर की शुरुआत

भारतीय सिनेमा की हर जनरेशन (पीढ़ी) में एक ऐसी फिल्म जरूर आती है जो बातचीत का रुख बदल देती है। मुगल-ए-आजम ने स्केल को नए सिरे से परिभाषित किया, शोले ने मेनस्ट्रीम सिनेमा की कहानी कहने के अंदाज को बदला, और बाहुबली ने ग्लोबल लेवल पर भारतीय सिनेमा की संभावनाओं को और बड़ा कर दिया। पिछले एक साल में, धुरंधर फ्रेंचाइजी एक और ऐसे ही ऐतिहासिक सिनेमाई पल के रूप में उभरी है, जिसके केंद्र में रणवीर सिंह और उनकी बेमिसाल कामयाबी रही है। ध्रणवीर जैसे-जैसे अपना जन्मदिन मना रहे हैं, उनका पिछला एक साल उनके करियर के सबसे शानदार अध्यायों में से एक बनकर सामने आया है। अपने पिछले जन्मदिन से लेकर इस जन्मदिन तक, उन्होंने एक ऐसा सफर जिया है जो शानदार वापसी, जश्न, रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी और पर्सनल लाइफ के खूबसूरत माइलस्टोन्स से भरा रहा है। इससे भी बड़ी बात यह है कि वह हिंदी सिनेमा के एक नए दौर का चेहरा बन चुके हैं। धुरंधर और धुरंधर द रिवेंज के साथ, रणवीर ने सिर्फ दो ब्लॉकबस्टर फिल्में ही नहीं दीं बल्कि उन्होंने हिंदी सिनेमा के स्केल और उसकी ताकत में लोगों का भरोसा फिर से जगा दिया। एक ऐसे समय में जब अक्सर साउथ की फिल्मों के दबदबे की चर्चा हो रही थी, रणवीर के इस ऐतिहासिक बॉक्स ऑफिस सफर ने दर्शकों और ट्रेड (सिनेमा बिजनेस) दोनों को याद दिला दिया कि बॉलीवुड आज भी ऐसे ब्लॉकबस्टर्स बना सकता है जो देश और विदेश दोनों जगह सारे रिकॉर्ड तोड़ दें। धुरंधर फ्रेंचाइजी सिर्फ एक कमर्शियल सक्सेस नहीं बनीय बल्कि यह इस बात का एक बड़ा स्टेटमेंट बन गई कि जब बेहतरीन कहानी को अपनी पूरी ताकत और फॉर्म में चल रहे एक सुपरस्टार का साथ मिलता है, तो हिंदी सिनेमा थिएटर्स में आज भी अपना जबरदस्त जलवा बिखेर सकता है। इसके बाद की जो अचीवमेंट्स (कामयाबियां) आईं, उन्होंने इस बात को और भी मजबूती दे दी। धुरंधर द रिवेंज भारत में 1000 करोड़ का नेट कलेक्शन पार करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई, जबकि पूरी धुरंधर फ्रेंचाइजी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर मिलकर 3000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली। इस सीक्वल ने किसी भी हिंदी फिल्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी वर्ल्डवाइड ओपनिंग का रिकॉर्ड भी बनाया और फिर ओटीटी पर अपने पहले ही हफ्ते में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली इंडियन फिल्म बन गई, जिसने श्रपवभ्वजेजंत पर रिकॉर्ड तोड़ 50 मिलियन (5 करोड़) व्यूअर्स को अट्रैक्ट किया। विदेशों में, खासकर नॉर्थ अमेरिका में रणवीर की लगातार मिलती कामयाबी ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे बड़े ग्लोबल स्टार्स में से एक के रूप में स्थापित कर दिया है, और अब धुरंधर जापान के दर्शकों तक पहुँचने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। घ्इस पूरे तूफान के केंद्र में था श्हमजाश, एक ऐसा किरदार जो आज के दौर के भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा रोल्स में से एक बन चुका है। दमदार, कई इमोशनल लेयर्स से भरा और लार्जर दैन लाइफ दिखने वाले हमजा के किरदार ने एक बार फिर रणवीर सिंह की उस असाधारण काबिलियत को दिखाया, जिसके दम पर वह हर रोल के लिए खुद को पूरी तरह बदल लेते हैं। चाहे ऐतिहासिक फिल्में हों, रोमांटिक ड्रामा हों, कॉमेडी हो या फिर एक्शन से भरपूर फिल्मेंय उनकी यही वर्सटैलिटी (हर तरह का रोल निभाने की खूबी) उनकी इस लगातार बनी हुई कामयाबी की सबसे बड़ी वजह रही है। लेकिन जो बात इस साल को और भी ज्यादा यादगार बनाती है, वो ये है कि ये जीतें सिर्फ बड़े पर्दे तक ही सीमित नहीं थीं। करियर को एक नई ऊंचाई देने वाली इन अचीवमेंट्स के साथ-साथ उनकी लाइफ में बेहद प्यारे पर्सनल मोमेंट्स भी आए, जिसमें बेटी दुआ का पहला जन्मदिन मनाना और यह खुशखबरी शेयर करना शामिल रहा कि वह और दीपिका पादुकोण अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। घ्यही वजह है कि यह जन्मदिन कुछ अलग महसूस कराता है। यह सिर्फ एक आम सेलिब्रेशन नहीं है, यह उस पूरे साल का जश्न है जिसमें रणवीर सिंह ने रिकॉर्ड्स को फिर से लिखा, श्धुरंधरश फ्रेंचाइजी को एक कल्चरल फेनोमेनन बनाया, हिंदी सिनेमा की ताकत को एक बार फिर साबित किया, और ऐसी यादें बनाईं जो जीवनभर उनके साथ रहेंगी। प्रोफेशनल कामयाबियों से लेकर पर्सनल लाइफ के माइलस्टोन्स तक, पिछले 12 महीनों पर पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ रणवीर सिंह का नाम लिखा रहा है, जो इसे उनका अब तक का सबसे बड़ा जन्मदिन बनाता है।

नहीं आएगा बुढ़ापा रहेंगी एकदम फिट, 30 की उम्र में महिलाएं शुरु कर दें ये 5 काम

महिलाओं को कई तरह के टेंशन होती हैं कभी काम की तो कभी घर की। टेंशन का असर स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। खासकर जब महिलाएं 30 की उम्र में आएं तो उसके बाद उनकी बॉडी पर कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। ऐसे में 30 के बाद महिलाओं को अपने फिगर का खास ध्यान रखना चाहिए। 30 की उम्र के बाद हैल्दी रहना वजन कम करना, परफेक्ट शेप में रहना और मांसपेशियों को मजबूत बनाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आप 30 के बाद भी फिट रहेंगे। तो चलिए जानते हैं इन टिप्स के बारे में...

रखें अपना ख्याल

अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र का असर आपकी त्वचा पर न दिखे तो इसके लिए अपनी त्वचा का ख्याल रखना शुरु कर दें। वैज्ञानिकों का मानना है कि यंग रहने के लिए सबसे पहले अपना ध्यान रखना जरुर होता है क्योंकि इससे आप अपने बढ़ती उम्र के लक्षणों को रोक सकते हैं।

स्किन केयर रुटीन करें फॉलो

चाहे आप सारे दिन की थकी हुई हैं फिर भी अपनी स्किन का ख्याल रखना ना भूलें। आप अपनी अच्छी प्रॉपर स्कीन केयर रुटीन फॉलो करना शुरु करें। सूर्य की हानिकारक किरणों से अपनी स्किन को बचाकर रखें। बाहर धूप में जाने से पहले चेहरे पर सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

दिमाग रखें तेज

खूबसूरती दिखने के लिए आपको त्वचा ही नहीं बल्कि अपने शरीर का खास ध्यान रखना पड़ेगा। इसके अलावा आप अपनी मेंटल स्किल्स पर भी फोकस रखें। मेंटल हैल्थ और मेमोरी शॉर्प करने के लिए आप एक्सरसाइज कर सकते हैं।

जरुर करें एक्सरसाइज

अगर आप उम्र से पहले यंग दिखना चाहती हैं तो रोज कम से कम 20 मिनट तक वॉक करें। इससे आपका शरीर हैल्दी रहेगा। इसके अलावा फैटन बर्न करने के लिए हफ्ते में दो बार वेट लिफ्ट करने की कोशिश करें। इससे आपके चेहरे पर एजिंग के लक्षण नहीं दिखेंगे।

पिएं ज्यादा से ज्यादा पानी

हैल्दी स्किन और पाचन को स्वस्थ रखने के लिए आप अच्छी मात्रा में पानी पिएं। हर रोज कम से कम 7–8 गिलास पानी अपनी रुटीन में शामिल करें।

इन 4 कारणों से हो सकता है महिलाओं को वजाइना में दर्द

महिलाओं के लिए वजाइनल हेल्थ का ध्यान रखना भी बहुत ही आवश्यक है। यदि किसी महिला को वजाइना से संबंधी परेशानी हो तो उन्हें उठने बैठने में भी समस्या हो सकती है। इसके अलावा गलत खाने–पीने की आदतें और अनहेल्दी डाइट का सेवन करने के कारण वजाइना में समस्या होती है। इसके कारण खुजली, इरिटेशन और जलन जैसी परेशानियां भी होने लगते हैं। कई बार तो हैवी वर्कआउट के कारण या फिर अचानक से चोट लगने के कारण भी दर्द हो सकता है। इसके अलावा दर्द होने के साथ–साथ कई बार आपको वजाइना में ड्राइनेस, खुजली, डिस्चार्ज, बदबू आना और अनकंफर्ट जैसी समस्याएं भी महसूस हो सकती हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, वजाइना में दर्द इन कारणों से होती है तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

इंफेक्शन

इंफेक्शन के कारण वजाइना में आपको दर्द हो सकता है। योनि में संक्रमण और दर्द होने के कारण यह परेशानी होती है इसके अलावा यह वायरस योनि के बाहर घाव और छाले भी पैदा करते हैं जिससे काफी दर्द हो सकती है।

यूटीआई

यूटीआई के कारण वजाइनल दर्द हो सकती है। बैक्टीरिया आपके यूरीनरी ट्रैक्ट में संक्रमण पैदा कर सकते हैं जिसके कारण आपको इस एरिया में दर्द हो सकता है। खासकर यूरिन करते समय आपको दर्द या फिर जलन महसूस हो सकती है।

मेनोपॉज के बाद

मेनोपॉज के बाद महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं। खासकर शारीरिक रुप से महिलाओं में इस दौरान कई बदलाव होते हैं। इन्हीं बदलावों के कारण वजाइना में भी दर्द हो सकता है। मेनोपॉज के बाद वजाइना में चिकनाई महसूस होने लगती है इसके अलावा योनि में सूखापन भी महसूस हो सकता है जिसके कारण आपको दर्द या फिर जलन होने लगती है।

बैक्टीरियल इंफेक्शन के कारण

कई तरह की बैक्टीरियल इंफेक्शन भी वजाइना में दर्द का कारण बन सकती हैं जैसे क्लैमाइडिया और गोनोरिया के कारण योनि में इंफेक्शन होने लगता है जिसके कारण योनि में असहनीय दर्द भी हो सकता है।

चोटी हो या जुड़ा हेयर स्टाइल को डिफरेंट ट्विस्ट देता है गजरा, एक बार आप भी जरूर करें ट्राई

खूबसूरत कौन नहीं दिखना चाहता, हर महिला चाहती है कि उसकी सुंदरता में कोई कमी ना रहे। कपड़े गहनों के साथ– साथ महिलाएं अपने बालों पर भी खूब ध्यान देती हैं, और इसमें उनका साथ देता है गजरा। बालों में गजरा लगाने का फैशन बेहद पुराना है।

आज भी महिलाएं किसी पारिवारिक फंक्शन या फिर त्यौहारों पर बालों में गजरा लगाकर अपनी खूबसूरती को और बढ़ाने का काम करती हैं। इसकी खास बात यह है कि ये साड़ी हो या लहंगा किसी के साथ भी चल जाता है। चोटी या जुड़े के साथ गजरे को कैसे स्टाइल करना है यह हम पर निर्भर करता हैं। चलिए आज बताते हैं गजरे को स्टाइल करने के अलग–अलग तरीके।

गजरा बन

सिंपल हाई जूड़ा बनाकर उसमें गजरा लगाकर आप अपने लुक पर चार चांद लगा सकते हैं। आप गजरे के साथ मेसी बन हेयरस्टाइल के साथ–साथ लो स्लीक बन भी ट्राई कर सकती हैं। बनारसी साड़ी के साथ यह गजरा हेयरस्टाइल बेहद ही कमाल का लगता है।

सिंगल स्ट्रिंग स्टाइल

सिंगल स्ट्रिंग स्टाइल गजरे में बालों के जुड़े को घेरते हुए गजरा लगाया जा सकता है और बीच के हिस्प्से को खाली रखा जाता है। ये स्टाइल साड़ी के साथ बेहद खूबसूरत लगता है।

क्रीस–क्रोसिंग स्टाइल

चोटी के साथ क्रीस–क्रोसिंग स्टाइल गजरा भी काफी अच्छा लगता है। आप चाहे तो इस स्टाइल को भी अपने ब्राइड्ल लुक का हिस्सा बना सकती है।

ओपन हेयर विद गजरा

यदि आपके सुंदर लंबे बाल हैं तो बांधने के बजाय इस पर गजरा लगा लें। ओपन हेयर विद गजरा हेयर स्टाइल आपके लुक को सबसे अलग बना देगा।

हाफ पफ में गजरा

बालों में हाफ पफ बनाएं और बैक में फॉल स्ट्टाइल में गजरा लगा लें। ऐसा वो लोग कर सकते हैं, जिनके बाल बहुत ज्यादा लंबे होते हैं।

कलरफुल गजरा

गर्मियों में मिनिमल हेयर एक्सेसरीज के साथ गजरा स्टाइल करें, इससे आप ज्यादा रिफ्रेश्ड लगेंगी। इसके अलावा आप अपने आउटफिट के साथ मैचिंग गजरा भी ज्तल कर सकती हैं।

घर में मिलेगा बाजार जैसा स्वाद, इन तरीकों से तैयार करें दाल मखनी मसाला पाउडर

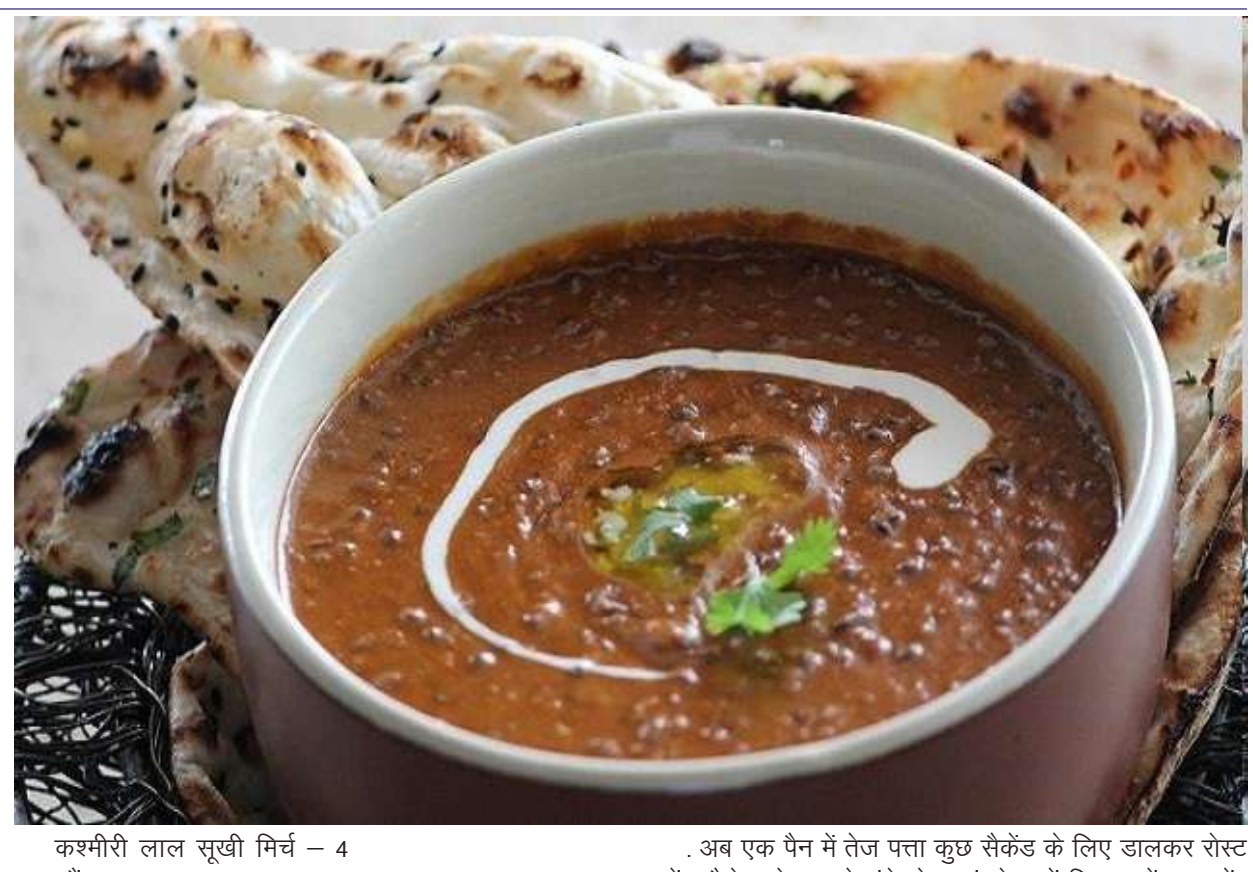

दाल मखनी तो पंजाबी घरों की पहली पसंद होती है ऐसे में अक्सर घरों में इसका स्वाद लिया जाता है। दाल मखनी के साथ लच्छा परांठा मिल जाए तो बात ही अलग होती है। रेस्तरां में दाल मखनी तो आपने कई बार खाई होगी लेकिन घर में बनी दाल मखनी का स्वाद होटल जैसा नहीं आ पाता। ऐसे में आपको आज एक ऐसा होममेड मसाला बनाना बताएंगे जिसके जरिए आप दाल मखनी का स्वाद दौगुना कर सकते हैं। इस तरह की दाल मखनी का स्वाद लेकर आपका दिल बार–बार इसी को खाने का करेगा। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की विधि के बारे में....

ऐसे शुरु हुई थी दाल मखनी बनाने की परंपरा

दाल मखनी को तैयार करने के लिए उड़द की दाल को काफी देर तक धीमी आंच पर पकाकर तैयार किया जाता है। इसमें मक्खन और क्रीम काफी ज्यादा मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है। इस दाल को बनाने की शुरुआत कुंदन लाल जग्गी और कुंदन लाल जुगराल ने किया था। वह चाहते थे कि एक नॉन वेज डिश के साथ कॉम्प्लिमेंट करने के लिए एक इस तरह की वेज डिश तैयार की जाए। इसके बाद उन्होंने उड़द की दाल और मक्खनी तैयार की। वैसे अब तो दाल बनाने के लिए बाजार में कई तरह के मसाले मिल जाते हैं लेकिन आज आपको एक ऐसे होममेड मसाले की विधि बताएंगे जिसके जरिए आप दाल मक्खनी का स्वाद बढ़ा सकते हैं।

दाल मखनी के लिए पड़ेगी इन मसालों की जरुरत

दाल मखनी बनाने के लिए आपको साबुत और कुछ पिसे हुए मसालों की जरुरत पड़ेगी। दाल का स्वाद बढ़ाने के लिए आप कम से कम 10–12 मसाले इस्तेमाल करें।

जीरा – 3 बड़े चम्मच
साबुत धनिया – 2 बड़े चम्मच
दालचीनी – 2 स्टिक
जावित्री का फूल – 3–4
कश्मीरी लाल सूखी मिर्च – 4
लौंग – 5–6
काली मिर्च – 1 छोटा चम्मच
तेजपत्ता – 4–5
गार्लिक पाउडर – 1 छोटा चम्मच
हींग – 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी – 1 चम्मच
कसूरी मेथी – 2 छोटे चम्मच

कैसे करें तैयार?

. सबसे पहले सारे मसालों को ड्राई रोस्ट कर लें।

. इसके बाद एक पैन को धीमी आंच पर गर्म करें और उसमें जीरा, साबुत धनिया, दालचीनी, जावित्री का फूल, कश्मीरी सूखी लाल मिर्च डालकर 1–2 मिनट के लिए भूनें।

. फिर इन सारे मसालों को एक प्लेट में रखकर ठंडा कर लें।

. मसालों को ठंडा करने के बाद लौंग और काली मिर्च डालकर रोस्ट करें।

. इस मिश्रण को बाकी के मसाले के साथ मिला लें।

. अब एक पैन में तेज पत्ता कुछ सैकेंड के लिए डालकर रोस्ट करें। जैसे सारे मसाले ठंडे हो जाएं तो उन्हें मिक्सर में डाल दें।

. एक बार मसाला ब्लैंड करें और फिर इसमें गार्लिक पाउडर, हींग, हल्दी और कसूरी मेथी डालकर फिर से ब्लेंड करें।

. इस बात का ध्यान रखें कि मसाले बिल्कुल बारीक पीसे हुए हों।

. आपका दाल मखनी मसाला पाउडर बनकर तैयार है।

. दाल में इसका इस्तेमाल करके आप स्वाद बढ़ा सकते हैं।

इस तरह से करें स्टोर

.मानसून में आप मसालों को बचाने के लिए इसे एक एयरटाइट कंटेनर में डालकर रखें। इस बात का खास ध्यान रखें कि मसाले में नमी न आए।

. इसके अलावा मसाले का डिब्बा गैस के आसपास न रखें। इसको ठंडी और डॉर्क जगह पर रखें यहां पर बिल्कुल भी मॉइश्चराइजर न हो।

. यदि आपने मसाले फ्रिज में रखें है तो उन्हें लूज पैकेट्स में बिल्कुल भी न रखें। इससे मसालों की खुशबू खत्म होने लगती है।

चाय पीते हुए या सामना उठाते वक्त कांपते हैं हाथ ? तो जानिए किस कारण होती है ये परेशानी

क्या आपने कभी चाय डालते समय या कोई सामना उठाते हुए अपने हाथों को कांपते हुए देखा है? हो सकता है कि यह हाल ही में शुरू हुआ हो। या शायद यह समस्या बढ़ती जा रही है हो सकता है कि इसकी शुरुआत धीरे–धीरे हुई हो। अगर ये कभी–कभार हों रहा है और इससे रोजमर्रा के कामों पर असर नहीं पड़ रहा है जो इसे नजरअंदाज किया जा सकता है। कई बार यह समस्या जब होती है जब आप तनाव में हों या गुस्से में हों या फिर किसी बीमारी की वजह से भी ऐसा हो सकता है। ये समस्या आपकी सोच से कहीं ज्यादा आम है, और इसके कारण और नतीजे अलग–अलग हो सकते हैं।

हाथ कांपने के कारण

कभी–कभार हाथ कांपना अक्सर नुकसानदायक नहीं होता, लेकिन अगर यह लगातार हो रहा है या समस्या बढ़ रही है, तो इसके कारण का पता लगाने के लिए जांच करवानी चाहिए। हर तरह का कंपन किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता। इसके सामान्य कारणों में शामिल हैंरू

कैफीन का सेवनः ज्यादा मात्रा में कैफीन लेने से नर्वस सिस्टम उत्तेजित हो सकता है और हाथ कांप सकते हैं।

तनाव या एंग्जायटी (बेचैनी): इनसे अस्थायी रूप से हाथ कांप सकते हैं।

थकानः नींद की कमी से मांसपेशियों पर नियंत्रण प्रभावित हो सकता है।

ब्लड शुगर कम होनाः इससे भी हाथ कांप सकते हैं।

कुछ दवाएंः कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के तौर पर हाथ कांपने की समस्या हो सकती है।

इस तरह का कंपन अक्सर अस्थायी होता है और कारण का समाधान करने पर ठीक हो जाता है।

क्या कैफीन से हाथ कांप सकते हैं?

कैफीन एक स्टिमुलेंट (उत्तेजक) है जो दिल की धड़कन बढ़ा सकता है और नर्वस सिस्टम को सक्रिय कर सकता है। कॉफी, एनर्जी ड्रिंक्स या कैफीन वाली अन्य चीजों का ज्यादा सेवन करने से ये समस्याएं हो सकती हैं जैसे– हल्का हाथ कांपना, बेचैनी, एंग्जायटी बढ़ना, नींद आने में दिक्कत। कैफीन का सेवन कम करने से अक्सर इन लक्षणों में सुधार होता है।

एसेंशियल ट्रेमर

लगातार हाथ कांपने के सबसे आम कारणों में से एक है एसेंशियल ट्रेमर। यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है, लेकिन आमतौर पर खतरनाक नहीं होती। इसके लक्षण इस प्रकार हैं। चलते–फिरते या कोई चीज पकड़ते समय कंपन होना, अक्सर दोनों हाथों में कंपन होना, परिवार में एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हो सकता है, तनाव या थकान से समस्या बढ़ सकती है। हालांकि यह जानलेवा नहीं है, लेकिन इससे रोजमर्रा के काम प्रभावित हो सकते हैं और कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ सकती है।

जब कंपन न्यूरोलॉजिकलसमस्या हो सकती है

कुछ तरह के कंपन न्यूरोलॉजिकल स्थितियों से जुड़े हो सकते हैं, जिनमें पार्किंसंस रोग भी शामिल है। न्यूरोलॉजिकल कारण का संकेत देने वाले लक्षणों में ये शामिल हो सकते हैं। चलने–फिरने के बजाय आराम की स्थिति में कंपन होना, शरीर के एक तरफ से कंपन शुरू होना, धीमी गति या अकड़न, तालमेल या संतुलन में बदलाव। पार्किंसंस रोग एक संभावित कारण हो सकता है, लेकिन सभी तरह के कंपन इसी से जुड़े नहीं होते। सही पहचान के लिए हेल्थकेयर प्रोवाइडर से जांच करवाना जरूरी है।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर कंपन लगातार बना रहता है या बढ़ता जा रहा है, कांपने की वजह से रोजमर्रा के कामों में दिक्कत आती है, आराम करते समय भी कंपन होता है तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर शारीरिक जांच कर सकते हैं।

संक्षिप्त

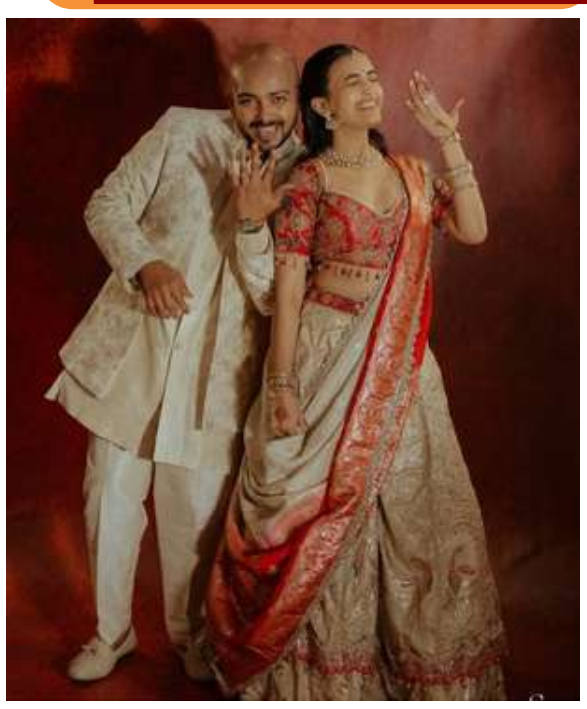

क्या पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल के रिश्ते में सचमुच आई थी दरार?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसकी शुरुआत आकृति अग्रवाल की एक कथित इंस्टाग्राम स्टोरी से हुई, जिसे कई लोगों ने पृथ्वी शॉ से जोड़कर देखा। हालांकि, अब आकृति ने खुद इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए पूरे मामले पर सफाई देते हुए इन अटकलों को खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित स्क्रीनशॉट्स में दावा किया गया था कि आकृति अग्रवाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में धोखा मिलने और अफवाहों को सच बताया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई कि उनका इशारा पृथ्वी शॉ की ओर है। हालांकि उस समय न तो पृथ्वी शॉ और न ही आकृति की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने आया था। आकृति अग्रवाल ने नई इंस्टाग्राम स्टोरी साझा करते हुए लिखा कि वह एक बड़ी गलतफहमी को दूर करना चाहती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी अपने मंगेतर का नाम नहीं लिया और न ही यह कहा कि उनकी सगाई टूट गई है या दोनों अलग हो गए हैं। उन्होंने लिखा कि वह और उनके मंगेतर खुश हैं, साथ हैं, उनकी सगाई बरकरार है और दोनों बिल्कुल ठीक हैं। आकृति ने कहा कि एक पोस्ट में किसी का नाम न होने के बावजूद लोगों ने अपने–अपने अनुमान लगा लिए, जिससे उनके पार्टनर की छवि प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के बारे में बिना तथ्यों के निष्कर्ष निकालना बेहद आसान हो गया है। एक अन्य स्टोरी में आकृति ने लिखा कि उनके लिए उनके मंगेतर बेहद अहम हैं, लेकिन उनकी जिंदगी में परिवार, दोस्त और अन्य करीबी लोग भी हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि बिना किसी तथ्य के कहानियां गढ़ दी जाती हैं, जिससे वर्षों की मेहनत और प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है। आकृति ने अपनी एक और स्टोरी में बताया कि जिस स्टोरी को लेकर इतना विवाद हुआ, वह केवल उनके श्करीबी दोस्तोंश के लिए थी। उन्होंने कहा कि एक छोटी–सी गलती की वजह से वह स्टोरी सार्वजनिक हो गई और इसका खामियाजा उनके पसंदीदा व्यक्ति की प्रतिष्ठा को उठाना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि वह आज भी यह नहीं बताना चाहतीं कि वह पोस्ट वास्तव में किसके बारे में थी। उनके मुताबिक, वह कर्म और भगवान के न्याय पर विश्वास करती हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली हर चीज पर भरोसा नहीं करना चाहिए और हर अफवाह सच नहीं होती। आकृति अग्रवाल की इस सफाई के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि सोशल मीडिया पर उनके और पृथ्वी शॉ के रिश्ते को लेकर जो दावे किए जा रहे थे, वे सही नहीं थे। आकृति ने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी और पृथ्वी शॉ की सगाई कायम है और दोनों के बीच किसी तरह का अलगाव नहीं हुआ है। हालांकि पृथ्वी शॉ की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई अलग आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन आकृति की स्टोरी के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर काफी हद तक विराम लग गया है।

26 साल की सबसे बड़ी कटौती, सऊदी अरब ने सस्ता किया कच्चा तेल

रियाद,एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शामिल सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमत में 26 वर्षों की सबसे बड़ी कटौती कर वैश्विक ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है। अगस्त के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत में 11 डॉलर प्रति बैरल की कमी की गई है। इससे पहले जुलाई के लिए भी 6 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की गई थी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य होने के बाद तेल की आपूर्ति बढ़ गई है और बाजार में प्रतिस्पध र्ा तेज हो गई है। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा भारत जैसे देशों को मिल सकता है, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं। सऊदी अरब ने एशियाई ग्राहकों के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत ओमान–दुबई बेंचमार्क से 1.50 डॉलर प्रति बैरल कम तय की है। वहीं ओपेक और उसके सहयोगी देशों, जिनमें रूस भी शामिल है, ने अगस्त से प्रतिदिन 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। इससे पहले जून और जुलाई में भी उत्पादन बढ़ाया गया था। बढ़ती आपूर्ति के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत घटकर लगभग 71. 7 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। बाजार का मानना है कि अधिक आपूर्ति के चलते तेल की कीमतों पर दबाव बना रहेगा। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। ऐसे में कच्चा तेल सस्ता होने से भारतीय रिफाइनरियों की लागत घट सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस पर पड़ने वाला वित्तीय दबाव कम होगा।

अफगानिस्तान क्रिकेट को बड़ा झटका! तेज गेंदबाज शापूर जादरान का निधन, दिल्ली में करा रहे थे इलाज

नई दिल्ली,एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट को मंगलवार को बड़ा झटका लगा, जब टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और देश में क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में शामिल शापूर जादरान का 38 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी से जूझ रहे थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी साझा करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया। शापूर जादरान पिछले जनवरी से नई दिल्ली के एक अस्पताल में गहन चिकित्सा देखभाल (आईसीयू) में भर्ती थे। पिछले साल अक्टूबर में अफगानिस्तान में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उनके भाई घमई जादरान और पूर्व कप्तान असगर अफगान उन्हें इलाज के लिए भारत लेकर आए थे। जादरान हे मो फै गो सा इ टि क लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस नामक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित थे। यह ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) असामान्य रूप से सक्रिय होकर शरीर के ही अंगों पर हमला करने लगती है। परिवार के अनुसार, उनकी हालत एक गंभीर संक्रमण के कारण और बिगड़ गई थी। उनके भाई घमई जादरान ने पहले बताया था, श्यह बेहद गंभीर संक्रमण था। उनके पूरे शरीर में संक्रमण फैल गया था, जिसमें टीबी (तपेदिक) भी शामिल थी। संक्रमण उनके मस्तिष्क तक पहुंच गया था। कुछ समय के लिए उनकी हालत में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई थी, लेकिन संक्रमण दोबारा तेजी से फैल गया। इसके बाद उन्हें फिर से आईसीयू में भर्ती कराया गया, जहां 39वें जन्मदिन से एक दिन पहले उन्होंने अंतिम सांस ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, गहरे दुख और शोक के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान के निधन पर शोक व्यक्त करता है। शापूर जादरान अफगानिस्तान क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उनके समर्पण, जुनून और अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश में क्रिकेट के विकास और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बोर्ड ने आगे कहा, श्अपने पूरे करियर के दौरान शापूर ने सम्मान, साहस और गर्व के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट की सेवा की। मैदान के बाहर भी वह युवा खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणा थे। उनका संघर्ष, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रेम आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देता रहेगा।श

शापूर जादरान का नाम अफगानिस्तान क्रिकेट के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। 2015 वनडे विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में उन्होंने अंतिम ओवर में विजयी रन बनाकर अफगानिस्तान को विश्व कप इतिहास की पहली जीत दिलाई थी। जीत के बाद मैदान पर हाथ फैलाकर उनका जश्न मनाना आज भी अफगान क्रिकेट के सबसे यादगार पलों में गिना जाता है। शापूर जादरान ने 2009 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 वनडे और 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2020 में था, जबकि घरेलू क्रिकेट में उन्होंने 2022 तक खेलना जारी रखा। जनवरी 2025 में उन्होंने आधिकारिक तौर पर क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अपने आक्रामक गेंदबाजी अंदाज, लंबे रन–अप और जुझारू स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले शापूर जादरान अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अफगानिस्तान क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

वायरल हो रहे फर्जी बयान पर भड़के सूर्यकुमार यादव, टीम इंडिया और वैभव सूर्यवंशी को लेकर क्या कहा ?

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया और 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर उनके नाम से वायरल हो रहे एक बयान को पूरी तरह फर्जी बताते हुए उससे दूरी बना ली। सूर्यकुमार ने कहा कि वह बयान उन्होंने न तो दिया है और न ही उसे जारी करने की अनुमति दी है। सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्हें टीम पर पूरा भरोसा है और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं टीम के लिए बहुत खुश हूं और हमेशा उनके अच्छे प्रदर्शन की कामना करता हूं। मुझे पता है कि खिलाड़ी अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं और उन्हें हमेशा मेरा पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी के लिए भी खास संदेश देते हुए लिखा ष्तुम एक शानदार सफर की शुरुआत कर रहे हो। हर पल का आनंद लो और देश का नाम रोशन करते रहो। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके नाम से एक बयान वायरल किया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कोई बयान न तो दिया है और न ही उसे अधिकृत किया है। उन्होंने प्रशंसकों से अपील करते हुए कहा कि बिना पुष्टि की गई किसी भी जानकारी पर भरोसा न करें और न ही उसे साझा करें। सूर्यकुमार ने कहा कि भारतीय क्रिकेट, अपने साथियों और खेल के प्रति उनका समर्थन किसी भी फर्जी बयान से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट जानकारी से बचना चाहिए। उन्होंने लोगों से केवल उनके आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई जानकारी पर ही भरोसा करने की अपील की। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में 15 साल 99 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 16 साल 238 दिन की उम्र में डेब्यू करने वाले सचिन तेंदुलकर का सबसे कम उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। आयरलैंड दौरे पर उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था, जहां भारत को 2–0 से हार का सामना करना पड़ा।

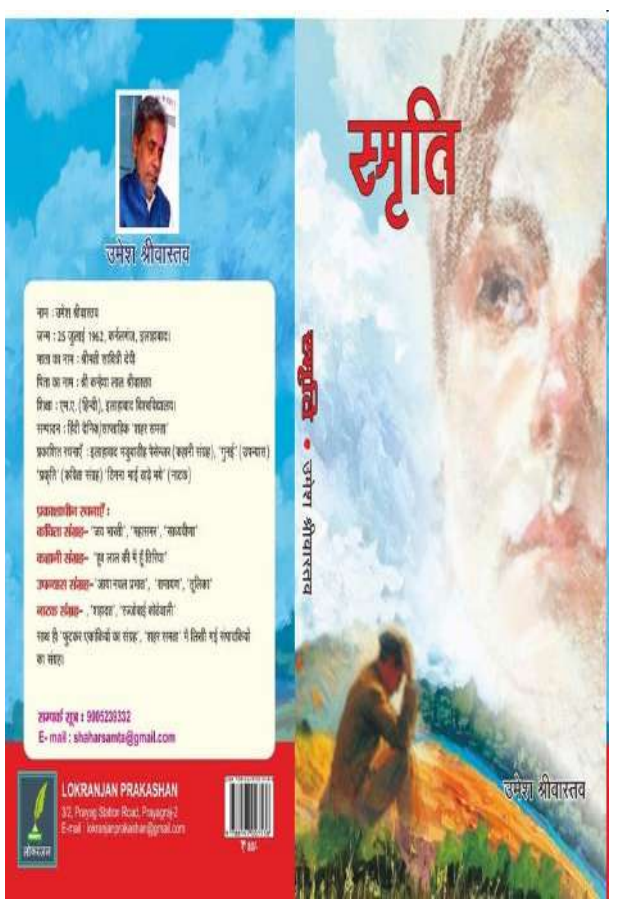

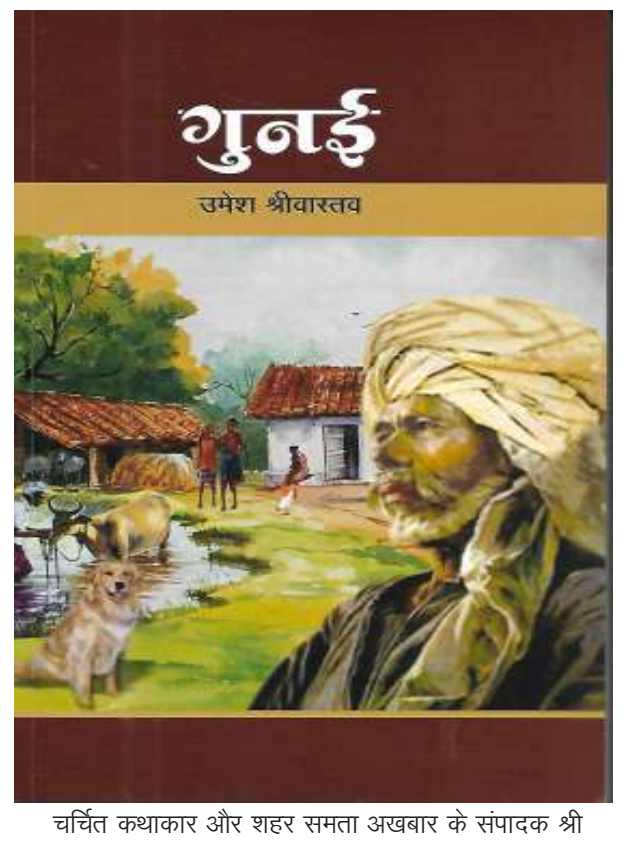

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

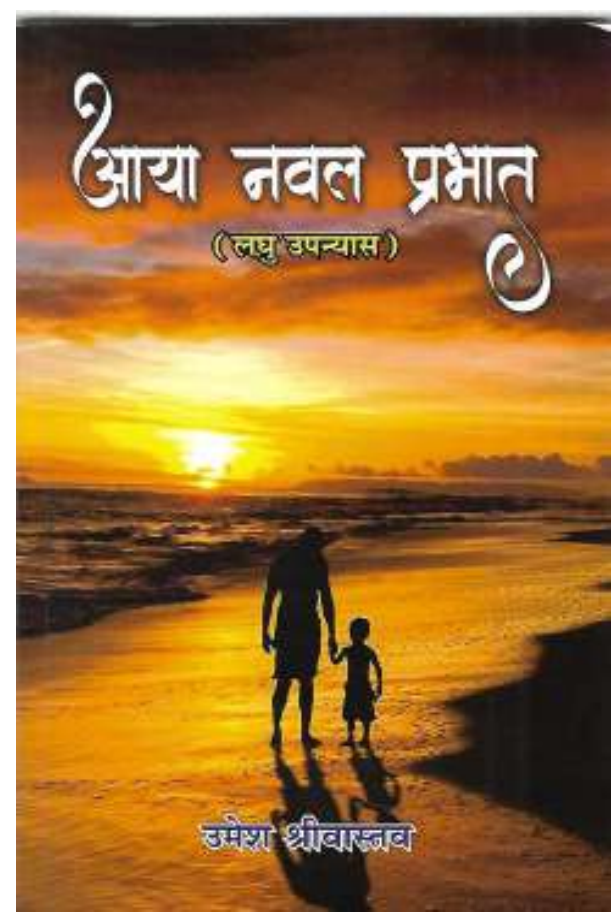

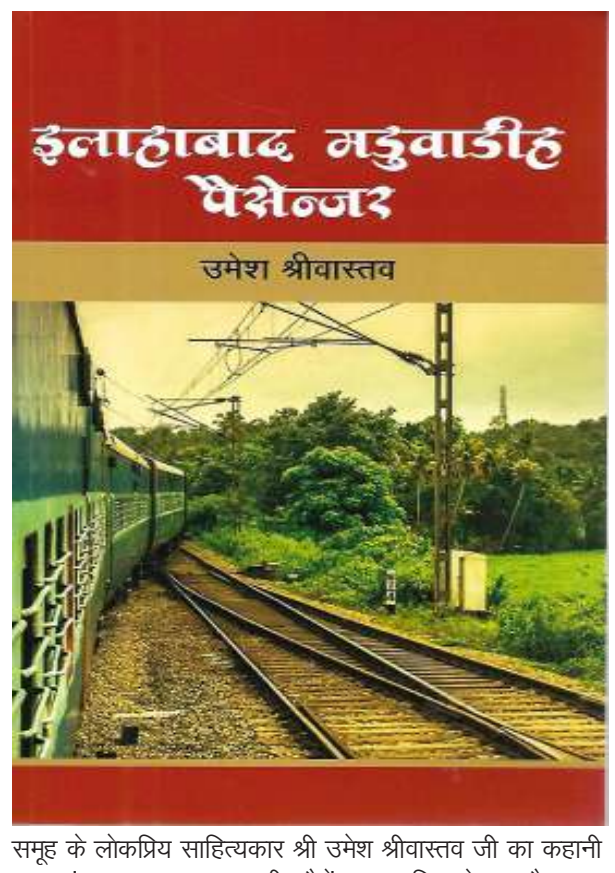

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

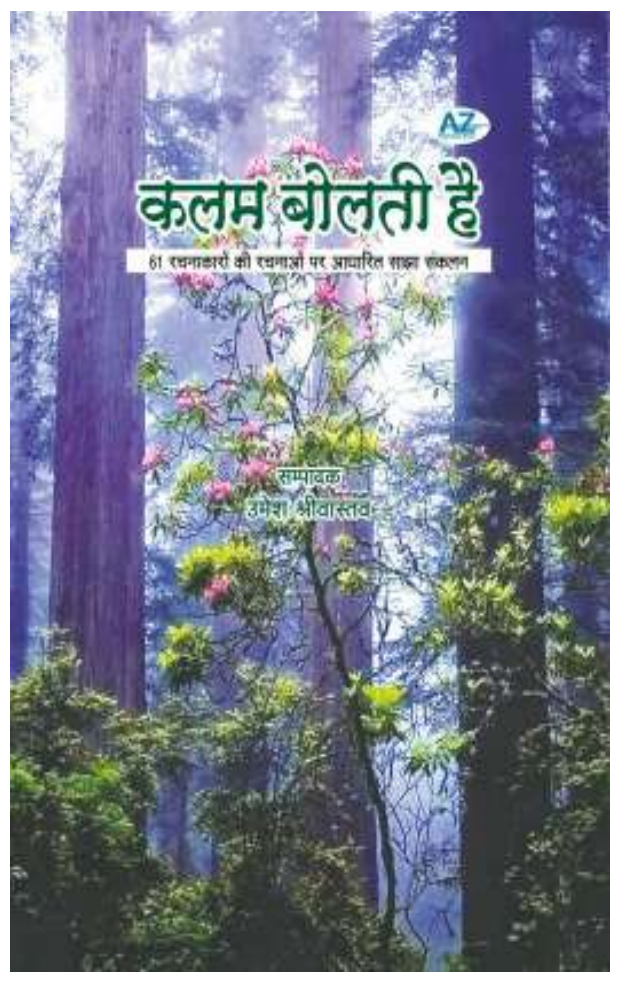

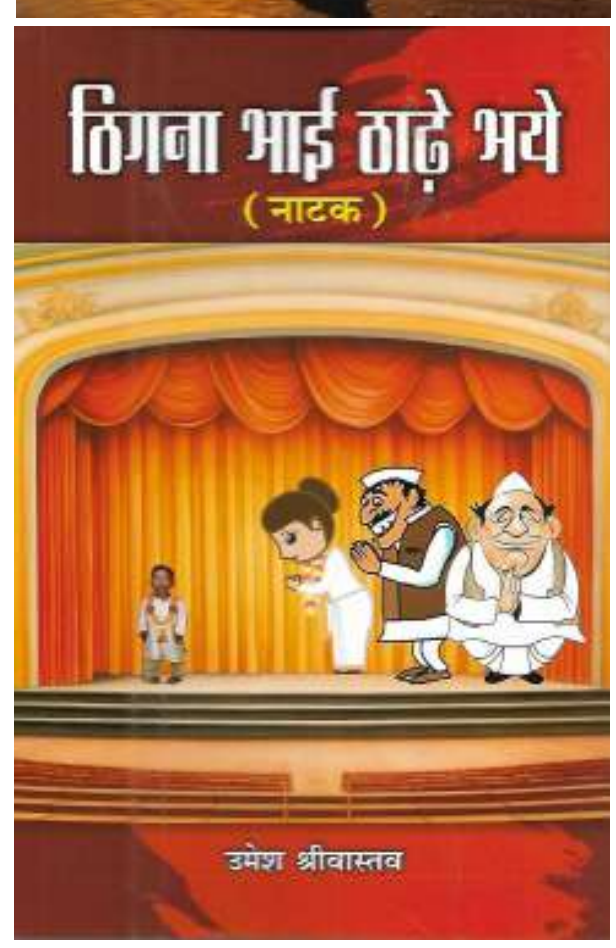

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत का गलत नक्शा दिखाने पर क्यों बैकफुट पर आया बांग्लादेश? भारतीय राजनयिक ने दिया करारा जवाब

ढाका, एजेंसी। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही बांग्लादेश के तेवर बदले हुए हैं और वह लगातार कुछ न कुछ ऐसा कर रहा है, जिससे भारत से उसके संबंध खराब हो। अब एक ताजा मामले में ढाका में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत का गलत नक्शा दिखाया गया। नक्शे में जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया। हालांकि कार्यक्रम में मौजूद भारतीय राजदूत ने इस पर तुरंत कड़ी आपत्ति जताई और मौके पर ही साफ कर दिया कि नक्शा गलत है और जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। आखिर हुआ क्या था? ढाका में बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारतीय उच्चायुक्त की सेकेंड सेक्रेटरी पूजा कुमारी झा भी मौजूद थीं। सम्मेलन के दौरान बांग्लादेश के पूर्व राजनयिक तारिक ए करीम ने एक नक्शा दिखाया। इस नक्शे में गड़बड़ी थी और इसमें जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया था। इस पर कार्यक्रम में मौजूद भारतीय राजनयिक ने तुरंत आपत्ति जताई। पूजा कुमारी झा ने कहा कि शदिखाया गया भारत का नक्शा गलत है। इसमें जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है, जबकि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग हैं। यहां दिखाया गया नक्शा पूरी तरह से गलत है। बांग्लादेश ने दी सफाई भारतीय राजनयिक की कड़ी आपत्ति के बाद बांग्लादेश बैकफुट पर नजर आया और सम्मेलन को संबोधित कर रहे बांग्लादेश के पूर्व राजनयिक तारिक ए करीम ने सफाई देते हुए कहा कि नक्शे का इस्तेमाल केवल सांकेतिक उद्देश्यों के लिए किया गया है और नक्शे में दिखाई गई सीमाएं वास्तविक नहीं हैं। गौरतलब है कि भारत का साफ रुख है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा अपने अधिकारियों को साफ निर्देश हैं कि दुनिया में कहीं भी भारत का गलत नक्शा दिखाया जाए, उसका तुरंत कड़ा विरोध करें। ऐसा ही बांग्लादेश में भारतीय राजनयिक पूजा कुमारी झा ने किया।

कैसे मारे गए नेतन्याहू के भाई?: 102 बंधकों को छुड़ाने वाला सबसे बड़ा ऑपरेशन, 50 साल बाद पायलट ने सुनाई कहानी

तेल अवीव, एजेंसी। दुनिया के सबसे चर्चित बंधक बचाव अभियानों में शामिल श्ऑपरेशन एंटेबेश या श्ऑपरेशन थंडरबोल्टश को 50 साल पूरे हो गए हैं। वर्ष 1976 में इस्राइल ने युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट पर हजारों किलोमीटर दूर जाकर ऐसा सैन्य अभियान चलाया, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इस

ऑपरेशन में 102 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया था, लेकिन अभियान का नेतृत्व कर रहे विशेष बल के कमांडर और मौजूदा इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बड़े भाई योनातान श्योनीश नेतन्याहू शहीद हो गए थे। अब इस अभियान के प्रमुख पायलट ब्रिगेडियर जनरल जोशुआ शानी ने 50 साल बाद इससे जुड़ी कई अहम बातें साझा की हैं। ऑपरेशन की 50वीं वर्षगांठ पर एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में जोशुआ शानी ने कहा कि उन्हें आज भी उस मिशन का हर पल याद है। उनके मुताबिक, सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही इस्राइली वायुसेना ने संभावित सैन्य अभियान की तैयारी शुरू कर दी थी। उनकी सी–130 हरक्यूलिस विमान स्क्वाड्रन ने करीब 4000 किलोमीटर लंबे मार्ग, ईंधन, रडार से बचने की रणनीति और उपलब्ध खुफिया जानकारियों का अध्ययन किया। इसी तैयारी की वजह से सरकार के सामने बातचीत के अलावा सैन्य कार्रवाई का विकल्प रखा जा सका।

बंधक संकट की शुरुआत कैसे हुई? यह पूरा घटनाक्रम तब शुरू हुआ, जब तेल अवीव से पेरिस जा रहे एयर फ्रांस के एक विमान का फलस्तीनी और जर्मन आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया। विमान को युगांडा के एंटेबे एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां उस समय ईदी अमीन का शासन था। आतंकवादियों ने गैर–इस्राइली यात्रियों को छोड़ दिया, लेकिन 100 से अधिक इस्राइली और यहूदी बंधकों को अपने कब्जे में रखा। इससे इस्राइल के सामने दो विकल्प थे। पहला, आतंकवादियों की मांगें मान ली जाएं। दूसरा, सैन्य कार्रवाई कर बंधकों को छुड़ाया जाए। जोशुआ शानी के अनुसार, चार सी–130 हरक्यूलिस परिवहन विमान बेहद कम ऊंचाई पर उड़ते हुए अफ्रीका के ऊपर से युगांडा पहुंचे, ताकि दुश्मन के रडार उन्हें पकड़ न सकें। रात के अंधेरे में विमानों की लैंडिंग कराई गई और विशेष बल के जवान सीधे टर्मिनल भवन तक पहुंचे। अभियान का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल योनातान श्योनीश नेतन्याहू कर रहे थे। जमीन पर कार्रवाई के दौरान सभी आतंकवादी मार गिराए गए और 102 बंधकों को सुरक्षित निकाल लिया गया। हालांकि इस अभियान में योनी नेतन्याहू, तीन बंधकों और कुछ युगांडाई सैनिकों की मौत हो गई। योनी नेतन्याहू का नाम आज भी क्यों लिया जाता? जोशुआ शानी ने बताया कि वह योनी नेतन्याहू को पहले से जानते थे और मिशन की योजना के दौरान कई बार उनसे मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि योनी बेहद साहसी और दृढ़ निश्चयी अधिकारी थे। उनका काम विशेष बलों का नेतृत्व करना था, जबकि शानी की जिम्मेदारी सैनिकों को सुरक्षित एंटेबे तक पहुंचाना थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका की मदद से क्या अब लीबिया में सुलह करा रहा पाकिस्तान, भारत के लिए ये क्यों है चिंताजनक बात ?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सरपरस्ती में पाकिस्तान लगातार अपनी कूटनीतिक प्रोफाइल को मजबूत करने में जुटा है। पहले अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराकर पाकिस्तान पहले ही दुनिया की नजरों में आ गया है और अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान लंबे समय से हिंसाग्रस्त लीबिया में भी विद्रोही गुटों के बीच मध्यस्थता कराने की कोशिश कर रहा है। खास बात ये है कि यहां भी पाकिस्तान को अमेरिका का समर्थन मिला हुआ है। अमेरिका कर रहा पाकिस्तान की मदद? रायटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान चुपचाप लीबिया के प्रतिद्वंद्वी पूर्वी और पश्चिमी सत्ता केंद्रों के बीच मध्यस्थता कराने की कोशिश कर रहा है। मामले से जुड़े दो पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। अगर पाकिस्तान की यह पहल सफल होती है तो वैश्विक कूटनीति में पाकिस्तान की भूमिका और प्रभाव को नई मजबूती मिल सकती है। पिछले कई महीनों से अमेरिका के नेतृत्व में लीबिया संकट का कूटनीतिक समाधान तलाशने की कोशिशें जारी हैं। साल 2011 में नाटो समर्थित ऑपरेशन के दौरान तत्कालीन शासक मुअम्मर गद्दाफी के सत्ता से बेदखल होने के बाद से लीबिया में गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है और देश पूर्वी और पश्चिमी प्रशासन में बंटा हुआ है। ईरान युद्ध में मध्यस्थता के बाद से बढ़े पाकिस्तान के भाव इस साल पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसकी सार्वजनिक तौर पर ट्रंप प्रशासन ने भी तारीफ की थी। एक पाकिस्तानी सूत्र ने दावा किया कि लीबिया को लेकर पाकिस्तान की पहल के बारे में अमेरिका जानता है और वह भी इसमें शामिल है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस कोशिश को सऊदी अरब का भी समर्थन मिला हुआ है। पिछले साल पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौता हुआ था। सऊदी अरब लंबे समय से लीबिया में अपना प्रभाव बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह मध्यस्थता पिछले साल के आखिर में शुरू हुई थी। हालांकि इस मामले पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सेना की मीडिया शाखा, लीबिया के पूर्वी और पश्चिमी प्रशासन तथा कतर, तुर्किए, सऊदी अरब और अमेरिका के विदेश मंत्रालयों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पाकिस्तान लंबे समय से हाशिए पर था और आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भारत ने उसे दुनियाभर में अलग–थलग करने में सफलता हासिल कर ली थी। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने ट्रंप की चापलूसी कर उनका समर्थन हासिल कर लिया। उसके बाद से कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान को फिर से संजीवनी मिली है। यही वजह रही कि अमेरिका के समर्थन से पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान युद्ध में मध्यस्थता की। अब पाकिस्तान के लीबिया गृहयुद्ध में भी मध्यस्थता की कोशिश करने की रिपोर्ट आई है। इससे यकीनन पाकिस्तान की सॉफ्ट पावर में इजाफा होगा। इनके अलावा पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ अहम रक्षा समझौता किया है और वह अन्य मुस्लिम देशों के साथ मिलकर इस्लामिक नाटो जैसा संगठन बनाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान खुद को इस्लामिक दुनिया का एकमात्र परमाणु संपन्न ताकत बताकर पहले ही खुद को इस्लामिक दुनिया में अहम बनाने की कोशिश कर रहा है। चीन का समर्थन पहले से ही पाकिस्तान को मिला हुआ है और पाकिस्तान को सैन्य रूप से मजबूत करने में चीन की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। आशंका है कि पाकिस्तान इस सॉफ्ट पावर का इस्तेमाल भारत के खिलाफ कर सकता है और जम्मू कश्मीर मुद्दे को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर सकता है, जो अनुच्छेद 370 हटने के बाद से मरणासन्न स्थिति में है। यही वजह है कि पाकिस्तान का कूटनीति स्तर पर बढ़ता प्रभाव कहीं न कहीं भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। लीबिया में शांति समझौते के लिए क्या है प्लान?

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित श्लीबिया पुनर्एकीकरण योजनाश के अनुसार, 36 महीने की सत्ता–साझेदारी व्यवस्था का प्रस्ताव है। इसके तहत श्गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कंसेंसस एंड प्रेसिडेंशियल काउंसिलश नामक एक नई व्यवस्था बनाई जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र समर्थित पश्चिमी लीबिया की गवर्नमेंट ऑफ नेशनल यूनिटी के प्रमुख अब्दुलहमीद दबीबह को प्रधानमंत्री बनाया जाएगा, जबकि पूर्वी लीबिया की लीबियन नेशनल आर्मी के उप–कमांडर सद्दाम हफ्तार को राष्ट्रपति परिषद का अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव है।

वहीं, लीबिया नेशनल आर्मी के प्रमुख खलीफा हफ्तार, जिनके नियंत्रण में लीबिया के कई बड़े तेल क्षेत्र और अहम रणनीतिक ढांचे हैं, उन्हें प्रस्तावित योजना के तहत बजट पर अधिकार देने की बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरी व्यवस्था को लागू कराने और बनाए रखने में पाकिस्तान सक्रिय भूमिका निभा रहा है। हालांकि, अभी कुछ भी अंतिम तौर पर तय नहीं हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले महीने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने रावलपिंडी में सद्दाम हफ्तार से मुलाकात भी की थी। इसके कुछ दिनों बाद हफ्तार ने वॉशिंगटन का दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की।

विश्लेषकों का मानना है कि लीबिया में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और मिस्र जैसे देशों की तुलना में पाकिस्तान छोटा खिलाड़ी है, लेकिन उसके पक्ष में जो बात जाती है, वो ये है कि उसके दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों से संपर्क बने हुए हैं। रॉयटर्स ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में बताया था कि पाकिस्तान पूर्वी लीबिया स्थित एलएनए के साथ रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। इसमें श्थ्–17 लड़ाकू विमान और कुछ प्रशिक्षण विमान की संभावित बिक्री भी शामिल है, जबकि लीबिया पर संयुक्त राष्ट्र का हथियार प्रतिबंध लागू है। दूसरी ओर, पश्चिमी लीबिया के प्रशासन ने भी हाल ही में पाकिस्तान के साथ सीधे संवाद की इच्छा जताई है। कतर और तुर्किए भी लीबिया में पाकिस्तान की मध्यस्थता का समर्थन कर रहे हैं।

अमेरिका को टक्कर देने के लिए कनाडा कौन सा गठबंधन बना रहा ? जेपी मॉर्गन सीआईओ हो गए नाराज, सुनाई खरी-खोटी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की बदलती राजनीति और अर्थव्यवस्था के बीच अब हर देश खुद को ताकतवर बनाने में लगा है। इसी कड़ी में अब कनाडा भी आ गया है। हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री ने अमेरिका से टक्कर ने लेने के लिए एक नया मोर्चा बनाने की तैयारी शुरू की है। अमेरिका जैसी बड़ी ताकतों के प्रभाव को संतुलित करने के लिए वो मध्यम ताकत यानी मिडिल पावर वाले देशों के बीच मजबूत साझेदारी का विचार रखा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का मानना है कि ऐसे देशों को व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिज, आपूर्ति श्रृंखला और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करना चाहिए। हालांकि अमेरिका के सबसे बड़े बैंक जेपी मॉर्गन के सीईओ जेमी डिमन ने इस सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल गठबंधन बनाने से कोई देश मजबूत नहीं बन जाता। खैर, आइए अब विस्तार से जानते कि डिमन ने क्या कहा है, साथ ही ये भी समझेंगे कि क्या कार्नी का प्लान सिर्फ एक कोरी कल्पना है?

मार्क कार्नी ने कहां कही थी ये बात? मार्क कार्नी ने यह विचार इस साल दावोस में रखा था। उनका कहना था कि दुनिया में बढ़ते व्यापारिक तनाव, टैरिफ, सप्लाई चेन में रुकावट और बड़ी शक्तियों के आर्थिक दबाव से निपटने के लिए मध्यम ताकत वाले देशों को एकजुट होना होगा। उनका मानना है कि इससे छोटे और मध्यम देशों की आवाज मजबूत होगी और वे वैश्विक फैसलों में ज्यादा प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। लेकिन जेमी डिमन ने इस सोच को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि केवल सहयोग की बात करना काफी नहीं है। जेमी डिमन ने कहा कि अगर केवल देशों का साथ आना ही समाधान होता तो यूरोप आज दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक ताकतों में शामिल होता। उन्होंने कहा कि यूरोप पहले से ही कई देशों का बड़ा समूह है, लेकिन इसके बावजूद उसकी प्रतिस्पर्धा क्षमता लगातार कमजोर हुई है। डिमन के अनुसार पहले यूरोप की अर्थव्यवस्था अमेरिका की लगभग 90 प्रतिशत थी, जो अब घटकर करीब 70 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने इसके लिए अधिक टैक्स, कड़े नियम और निवेश को बढ़ावा देने वाली नीतियों की कमी को जिम्मेदार बताया। क्या कुछ बोले जेपी मॉर्गन के सीईओ?

जेपी मॉर्गन के सीईओ का कहना है कि किसी भी देश या क्षेत्र की सफलता केवल राजनीतिक सहयोग से तय नहीं होती। सरकारों को ऐसा माहौल तैयार करना पड़ता है जहां उद्योग, निवेशक और कंपनियां आसानी से निवेश कर सकें। उन्होंने कहा कि अमेरिका का शेयर बाजार यूरोप की तुलना में कहीं बड़ा है क्योंकि वहां ऐसी नीतियां बनाई गई हैं जो निवेश और कारोबार को बढ़ावा देती हैं। उनका सुझाव था कि यूरोप को नए राजनीतिक समूह बनाने के बजाय सेवाओं में खुला व्यापार और साझा बाजार को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। कनाडा आखिर ऐसा गठबंधन क्यों बनाना चाहता है?

मार्क कार्नी का मानना है कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था तेजी से बदल रही है। बड़े देशों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा का असर छोटे और मध्यम देशों पर भी पड़ रहा है। ऐसे में अगर समान सोच वाले देश एक साथ आएंगे तो वे टैरिफ, सप्लाई चेन संकट और आर्थिक दबाव जैसी चुनौतियों का बेहतर सामना कर पाएंगे। उनका कहना है कि इससे वैश्विक स्तर पर संतुलन भी बनेगा और किसी एक महाशक्ति पर निर्भरता कम होगी। चीन और अमेरिका को लेकर डिमन ने क्या संदेश दिया?

हाल ही में जेमी डिमन ने निवेशकों से कहा कि अमेरिका अब भी निवेश के लिए दुनिया का सबसे सुरक्षित ठिकाना बना हुआ है। उन्होंने माना कि चीन ने हाल के वर्षों में दूसरे देशों के साथ अपने संबंधों में अधिक स्थिरता दिखाई है और इस बदलाव पर दुनिया के कारोबारी नेताओं की नजर है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक व्यापार में चीन का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच कई देशों के नेता चीन के साथ व्यापार और सहयोग बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में कनाडा का नया सहयोग मॉडल और उस पर अमेरिका के प्रमुख कारोबारी नेता की आलोचना वैश्विक आर्थिक बहस को और तेज कर रही है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति की सुरक्षा में बड़ी चूक, होटल के बाहर हुए बम धमाके, फ्रांस की सरकार ने क्या कहा?

एजेंसी/फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया दौरे पर हैं। उनके दौरे के बीच ही सीरिया की राजधानी दमिश्क में जोरदार धमाके हुए हैं। अभी ये पता नहीं चल पाया है कि इन धमाकों में कितनी जान–माल की हानि हुई है और इनके पीछे कौन है? हालांकि फ्रांसीसी राष्ट्रपति के दौरे के बीच दमिश्क में बम धमाकों से उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि मैक्रों का कार्यालय ने साफ कर दिया है कि मैक्रों सुरक्षित हैं और वे अपना सीरिया दौरा जारी रखेंगे। दमिश्क में मैक्रों के होटल के बाहर हुए धमाके सीरिया की राजधानी दमिश्क में मंगलवार को दो जोरदार धमाकों से हड़कंप मच गया। यह घटना उस समय हुई, जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल–शरा से एक अहम मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे हुए थे। राष्ट्रपति भवन में बैठक के दौरान दमिश्क में फोर सीजन्स होटल के पास धमाके हुए। हालांकि, सीरियाई अधिकारियों ने घटना को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया। सीरियाई मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति मैक्रों दमिश्क प्रवास के दौरान फोर सीजन्स होटल में ही ठहरे हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की कि मैक्रों पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनका सीरिया दौरा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि दमिश्क के मध्य क्षेत्र में हुए दोनों धमाके विस्फोटक उपकरणों से किए गए। धमाके के बाद घटनास्थल से धुएं का बड़ा गुबार उठता देखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक वाहन आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है।

कैसे ट्रंप के एक फोन ने खत्म कराया अमेरिकी खिलाड़ी पर लगा एक मैच का प्रतिबंध, क्यों खड़ा हुआ विवाद?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर चर्चा में हैं। हालांकि, इस बार मामला ईरान युद्ध या नाटो के आगामी सम्मेलन से जुड़ा नहीं है। इस बार मुद्दा है फीफा विश्व कप 2026 का, जिसका आयोजन अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको मिलकर कर रहे हैं। चूंकि अमेरिका इस पूरे टूर्नामेंट का प्रमुख आयोजक है, ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति और उनका प्रशासन भी इसमें काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। इस बीच ट्रंप से जुड़ा एक ऐसा घटनाक्रम यह घटनाक्रम है अमेरिका के एक खिलाड़ी को मिले रेड कार्ड और उससे जुड़ी पाबंदी को हटवाने के लिए ट्रंप की तरफ से की गई कोशिशों का। दरअसल, ट्रंप ने अमेरिका के बेल्जियम के खिलाफ होने वाले राउंड ऑफ 16 के मुकाबले से पहले अमेरिकी टीम के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे एक मैच की पाबंदी को खत्म कराने की कोशिश की। चौंकाने वाली बात यह है कि फीफा ने भी अमेरिकी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध हटा दिया, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संगठन की निष्पक्षता और नियमितता पर सवाल उठने लगे हैं। आइये जानते हैं कि अमेरिका के स्ट्राइकर पर बेल्जियम के खिलाफ मैच से पहले पाबंदी लगी क्यों थी? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टीम के खिलाड़ी पर लगी पाबंदी हटवाने के लिए किस तरह की कोशिशें कीं? उनकी पूरी कोशिशों का घटनाक्रम क्या रहा? फीफा ने किस तरह अमेरिकी खिलाड़ी पर लगे प्रतिबंध के फैसले को वापस ले लिया? इसके पीछे क्या तर्क और नियम अपनाया गया? आइये जानते हैं... अमेरिका के स्ट्राइकर बालोगुन पर क्यों लगी थी पाबंदी?

अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को राउंड ऑफ 32 में बॉस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ मैच में सीधा रेड कार्ड मिला था। मैच के दौरान, बालोगुन ने बॉस्नियाई डिफेंडर तारिक मुहरेमोविच पर एक फाउल किया था। शुरुआत में रेफरी ने कोई फ्री–किक भी नहीं दी थी, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद स्लो–मोशन रीप्ले में देखा गया कि बालोगुन का पैर मुहरेमोविच के टखने के ऊपरी हिस्से पर पड़ा था। इस गंभीर फाउल के कारण उन्हें सीधा रेड कार्ड दिखाया गया। फीफा के नियमों के तहत रेड कार्ड मिलने पर खिलाड़ी पर खुद–ब–खुद एक मैच का प्रतिबंध लग जाता है, जिसके खिलाफ अपील भी नहीं की जा सकती। इसी नियम के कारण बालोगुन पर बेल्जियम के खिलाफ होने वाले अगले मैच के लिए पाबंदी लगाई गई थी। हालांकि, अब फीफा ने एक अप्रत्याशित फैसले में इस पाबंदी को निलंबित कर दिया, जिसके चलते विवाद गहरा गया है।

अमेरिकी खिलाड़ी पर लगी पाबंदी हटवाने में ट्रंप की क्या भूमिका? अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे एक मैच के प्रतिबंध को हटवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन की एक बहुत बड़ी और अप्रत्याशित भूमिका रही। ट्रंप ने इस फैसले को पलटवाने के लिए व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ मिलकर पर्दे के पीछे से एक पूरा अभियान चलाया। फीफा अध्यक्ष को सीधा फोन ट्रंप ने सीधे फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को फोन किया और उनसे बालोगुन के निलंबन की समीक्षा करने की अपील की। द गार्डियन ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि इस फैसले को बदलवाने के लिए ट्रंप ने कम से कम तीन बार फीफा अध्यक्ष और उसके अधिकारियों से बात की। ट्रंप ने अपने सहयोगियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि वे किसी भी तरह से इस बैन को हटाने का रास्ता खो, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि इस फैसले से अमेरिका के टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।